भाद्रपद शुक्ल पक्ष-10, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 82 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
12 सितम्बर 2024 गुरुवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

मप्र में बारिश से अफरातफरी, मुख्यमंत्री ने बुलाई आला अफसरों की आपात बैठक

बिगड़े हालात: दीवार गिरी 7 मौतें, अलर्ट पर सरकार, अफसरों की छुट्टी निरस्त

भोपाल/ दतिया, दोपहर मेट्रो।

भारी बरसात के नए दौर से मप्र में हालात बिगड़ रहे हैं। दतिया में आज राजगढ़ किले के नीचे के हिस्से वाली 4 सौ साल पुरानी दीवार ढहने से एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई। मलबे में 9 लोग दबे जिसमें से पड़ोसियों ने 2 को सुरक्षित निकाल लिया। मौके पर पहुंची एसडीईआरएफ टीम बाकी 2 लोगों के रेस्क्यू में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तड़के साढ़े 3 बजे बहुत तेज आवाज आई। लोग बाहर निकले तो देखा कि किले की दीवार गिर गई है। दो लोगों को तत्काल बाहर निकालकर हॉस्पिटल भेजा गया। मौके पर कलेक्टर संदीप मकीन, एसपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा, कोतवाली टीआई धीरेंद्र मिश्रा और एसडीईआरएफ की टीम मौजूद है।

इधर आज सुबह मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अतिवर्षा से निर्मित स्थिति और बचाव के लिए जारी कार्यों की समीक्षा के लिए आपात बैठक बुलाई। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जिलों की स्थिति की समीक्षा की। इसमें समस्त संभागीय आयुक्त, आईजी, कमिश्नर आफ पुलिस, जिला कलेक्टर, एसपी जुडे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अति वर्षा और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, स्थितियां सामान्य हो जाने तक अधिकारियों कर्मचारियों को छुट्टी पर नहीं जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वर्षा चक्र बदलने के कारण सितंबर माह में जितनी वर्ष होनी चाहिए उससे अधिक हो रही है । अतिवर्षा के बावजूद भी जनजीवन सामान्य रहे, अतः समय रहते आवश्यक सावधानियां बरतते हुए बचाव के कार्य किए जाएं। निचली बस्तियों में रहने वालों को समय रहते सतर्क किया जाए और आवश्यकता अनुसार उन्हें राहत कैंपों में शिफ्ट किया। जाए जिन रपटों और पुलों पर पानी है वहां तत्काल आवश्यक सावधानी व सतर्कता बढ़ाई जाए।

जनहानि पर तत्काल राहत उपलब्ध कराएगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि अति वर्षा के प्रभाव से हुई जनहानि और पशु हानि की स्थिति में राहत उपलब्ध कराई जाएगी। यादव ने सभी कलेक्टरों जनहानि की स्थिति में चार-चार लाख रुपए की सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा कर कलेक्टरों को तत्काल राशि परिजन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर डीजीपी एसके सक्सेना, डीजी होमगार्ड समेत तमाम अफसर मौजूद थे।

एयरलिफ्ट के निर्देश

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जहां पर भी बाढ़ के पानी में लोग फंसे हैं उन्हें हेलीकॉप्टर की सहायता से एयरलिफ्ट करने की तत्काल व्यवस्था की जाए। पुराने जीर्ण क्षीर्ण भवनों को चिन्हित कर सुरक्षात्मक व्यवस्था की जाए और आवश्यकता होने पर निवासियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए।

स्कूलों में छुट्टी: आज भोपाल में 5वीं क्लास तक जबकि राजगढ़, सागर, गुना, शिवपुरी, मुरैना और भिंड में 8वीं तक के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है।

सबसे स्ट्रांग सिस्टम से बहे पुल, नर्मदा नदी चढ़ी, कई डैम के गेट खुल

इस वक्त भी मप्र पर बारिश का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम छाया हुआ है। भिंड में क्वांरी, सांक नदी और सिंध खतरे के निशान पर बह रही हैं। इस कारण 50 गांवों में अलर्ट है। नर्मदापुरम में सेठानी घाट पर नर्मदा नदी खतरे के निशान से 7 फीट नीचे बह रही है। इंदिरा सागर बांध के 12, ओंकारेश्वर बांध के 11 गेट और मड़ीखेड़ा डैम के 4 गेट से पानी छोड़ा जा रहा है। पिछले 24 घंटे में ग्वालियर में 8 इंच और भोपाल में ढाई इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। भिंड के लहार में कच्चे मकान की दीवार गिरने से गणेशराम तिवारी (38) की मौत हो गई। 10 साल की भूमि तिवारी घायल हो गई। टीकमगढ़ में तेज बारिश से बरेठी गांव में लोगों के घरों में पानी भर गया। ग्वालियर के आरोन-पाटई में रात 11 साल का लड़का बह गया, जिसका पता नहीं चल सका। खरगोन में सतवाड़ा की कोयड़ा नदी पर बना अस्थाई पुल बह गया। मौसम विभाग ने गुरुवार को भिंड, शिवपुरी, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सागर में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर समेत 29 जिलों में भारी बारिश के आसार हैं।

यादव आज बहोरीबंद में करेंगे कई परियोजनाओं का उद्घाटन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज कटनी के बहोरीबंद में कई विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे। इससे पहले उन्होंने अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति से बचाव के लिए किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की । इसके बाद वे भोपाल से उज्जैन जाकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर को वे कटनी के बहोरीबंद जाएंगे। दोपहर को बहोरीबंद में आयोजित कार्यक्रम में वे बहोरीबंद उद्वहन सिचाई परियोजना के निर्माण कार्य के साथ कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। शाम को वे कटनी में स्थानीय कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। शाम को मु यमंत्री भोपाल में सूक्ष्म और लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा बैठक करेंगे।

मलाइका अरोरा के पिता की पीएम रिपोर्ट आई

मुंबई, एजेंसी।

फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल मेहता द्वारा बिल्डिंग की अपनी बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि अनिल बीमार थे और परेशान भी थे। अनिल ने अपनी मौत की सुबह बेटी मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा से बात की थी। उन्होंने जिंदगी से तंग आ जाने के बारे में दोनों से कहा था। अब उनकी मौत की वजह का खुलासा हो गया है। पोस्टमार्टम खत्म होने के बाद अनिल मेहता की मौत को लेकर कुछ खुलासे हुए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, अनिल की मौत शरीर पर कई चोटों से हुई है।

हेलिपेड पर खड़े हेलिकॉप्टर के पुर्जे खोले, पायलट को पीटा

मेरठ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मेरठ में हवाई पट्टी पर खड़े एक हेलीकॉप्टर के पुर्जे खोलकर ले जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हवाई पट्टी पर 10-15 लोग घुसे और उन्होंने हेलीकॉप्टर के पुर्जे-पुर्जे खोलेहैं। इस बीच जब पायलट ने रोकने की कोशिश तो उसके साथ मारपीट भी की। पायलट का आरोप है कि उसने पुलिस से इस मामले की शिकायत की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया. अब इसकी शिकायत एसएसपी से की गई है, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई है। पायलट कैप्टन रविंद्र सिंह ने प्रार्थना पत्र में परतापुर हवाई पट्टी से हेलिकॉप्टर डूञ्ज-ञ्जक्कक्के पुर्जे खोलकर ले जाने की शिकायत की है। पायलट ने कहा कि करीब तीन बजे एक टेक्नीशियन ने मुझे फोन पर बताया कि कुछ लोग हेलीकॉप्टर से पुर्जे खोल रहे हैं.। इसकी जिम्मेदारी मेरी है. इसलिए मैं तुरंत हेलीपेड पहुंचा और देखा कि 15-20 लोग हेलीकॉप्टर के पुर्जे खोल रहे हैं. मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने मेरे साथ मारपीट की और मुझे मारने की धमकी भी दी।

गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव से फैला तनाव

बंगलुरू, एजेंसी।

कर्नाटक के मांड्या के नागमंगला में बीती रात गणपति विसर्जन जुलूस पर पथराव हुआ। मैसूर रोड पर बनी दरगाह के सामने पहुंचने पर कुछ लोगों ने पत्थर फेंके। इसके बाद हिंदुओं ने भी प्रदर्शन किया। इलाके की कुछ दुकानों और वहां खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी गई। भीड़ को तितर-बितर करने पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कन्नड़ न्यूज चैनलों के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जुलूस पर पत्थरों के अलावा तलवार, रॉड और जूस की बॉटल से भी हमला किया गया। इस घटना में 15 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। हिंदू समुदाय ने कार्रवाई की मांग करते हुए गणेश प्रतिमा को थाने के सामने रोक दिया था। पिछले साल भी बदरिकोप्पल के मैसूर रोड पर बनी इसी दरगाह के सामने हंगामा हुआ था। घटना के विरोध में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने गुरुवार को बंद बुलाया है।

चुनाव के पहले कश्मीर में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव से पहले कुपवाड़ा जिले में सेना ने भारी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किया। इसमें एके 47 के 100 से ज्यादा कारतूस, 20 हैंड ग्रेनेड और 10 छोटे रॉकेट मिले हैं। वहीं ढ्ढश्वष्ठ एक्सप्लोसिव से जुड़ी सामग्री भी जब्त की है। यह कार्रवाईइंटेलीजेंस इनपुट के आधार पर, कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने की। बताया जाता है कि सेना को यह खुफिया जानकारी जम्मू-कश्मीर में तैनात एक विशेष इलेक्शन ऑब्जर्वेजर से मिली थी। वहीं सेना ने कुलगाम के पास आतंकियों के एक ठिकाने को ढूंढ निकाला।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में पहले फेज की वोटिंग में सिर्फ 6 दिन बचे हैं। ऐसे में आतंकी गतिविधियां भी बढ़ गई हैं। सेना ने पिछले चार दिनों में 4 आतंकी ढेर किए हैं। इस बीच पाक रेंजर्स की तरफ से भी गोलीबारी की घटना हुई। सेना के मुताबिक, ये घटनाएं चुनाव प्रभावित करने के लिए की जा रही हैं।

मरीज ने महिला डॉक्टर पर किया हमला, घसीटा

हैदराबाद, एजेंसी।

सरकारी गांधी हॉस्पिटल सिकंदराबाद में एक मरीज ने महिला डॉक्टर के साथ हाथापाई की। उसे हाथ पकड़कर घसीटा और एप्रन भी फाड़ दिया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें देखा जा रहा है कि जूनियर डॉक्टर जैसे ही काउंटर पर खड़ी होती हैं, मरीज पीछे से आता है और डॉक्टर का हाथ पकड़कर घसीट लेता है। फिर उनका एप्रन खींचता है। बीच-बचाव करने आए एक अन्य पेशेंट को भी धक्का दे देता है। स्टॉफ के आने पर महिला को बचाया गया। स्टॉफ के कुछ लोगों ने पेशेंट को थप्पड़ भी मारे, तब जाकर उसने महिला डॉक्टर को छोड़ा। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी को दौरे पड़ रहे हैं। उसे पुलिस स्टेशन लाने के बाद भी उसे दौरे पड़ते रहे।

बहराइच में आदमखोर भेड़िए ने अब महिला को बनाया शिकार, गंभीर घायल

बहराइच, एजेंसी।

.उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भेड़िये के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दो बालिकाओं पर हमले के बाद

अब देर रात एक महिला पर भेड़िये ने हमला किया है। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई उसे भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि भवानीपुर का मजरा कोरियन पुरवा निवासी प्रताप की पत्नी पुष्पा देवी (55) अपने घर के बरामदे में सो रही थी। इसी दौरान भेड़िये ने महिला पर हमला कर उसे घायल कर दिया।

इससे पहले, बहराइच के ही खैरीघाट क्षेत्र के महजिदिया निवासी शिवानी (10) और हरदी क्षेत्र के गड़रियनपुरवा निवासी सुमन (11) पर भेड़ियों ने एक रात पहले हमला किया था। दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं, बौंडी क्षेत्र में ग्रामीणों ने भेड़िया देखने का दावा किया है। जिले में भेड़ियों के हमलों में अब तक नौ बच्चों सहित 10 की मौत हो चुकी है। 45 लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। वन विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद पांच भेड़ियों को पकड़ा।

सरकार के एक कदम से राह में बिछ गए कई सवाल

सूबे के सड़क परिवहन को गुलशन व सांची को सहरा क्यों मिल रहा !

नजरिया
आशीष दुबे

इन दिनों मप्र दुग्ध संघ के संयंत्रों को 'केंद्र' के हवाले किए जाने से बवाल मचा हुआ है। यह बवाल सियासी भी है, प्रशासनिक भी है। वजह मानी जा रही है घाटा और कुप्रबंधन। नई उम्मीद जताई जा रही है कि जब नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड इन संयंत्रों का (संयुक्त ?) संचालन करेगा तो यह आधुनिकतम भी बनेंगे और किसानों की आय भी बढेगी। यानि इन दुग्ध संघों के 'सांची' उत्पाद का कर्ताधर्ता 'कोई और' होगा। लेकिन इसी बिंदु पर सवाल यह पैदा हो रहे हैं कि यही काम मप्र की सरकार क्यों नहीं कर सकती? यह काम पूर्ववर्ती सरकारों के बस में क्यों नहीं रहा? जब हाल में सरकार ने 'मृत' सड़क परिवहन निगम को फिर पुनर्जीवित करने की दिशा में कदम बढ़ा दिये हैं तो फिर सूबे की पहचान से जुडे कमाऊ 'सांची' को रिवाईव करने में क्या दिक्कते थीं? खास बात यह भी है कि हर दुग्ध संघ के बोर्ड में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के प्रतिनिधि भी होते हैं, प्रकारांतर से जो संघों के संचालन आदि के संबंध में निर्णय में शामिल होते हैं और इन पर केंद्र की तरफ से नजर रखते हैं, तो जब यह संघ कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार के तथ्य-कथ्य मामलों और घाटे से बजबजाने लगे थे, तमाम जरूरी कामों पर आउटसोर्स हावी था, तब इन्होंने जरूरी कदम क्यों नहीं उठाए?

दरअसल, कुछ चीजें आमजन की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ जाती हैं, सांची भी उनमें से ही एक है। यही बातें बीएसएनएल के फोन, दूरदर्शन या आकाशवाणी पर भी लागू होती हैं। यह हर घर का हिस्सा रहती आई हैं और उनके अवचेतन में घूमती रहती हैं। बात मप्र में सांची के दुग्ध उत्पादों की करें तो इनके पार्लर को जनरल स्टोर बनाने से क्यों नहीं रोका गया, इन पर दूसरे उत्पाद और कोक, पेप्सी कैसे बिकने दिए गए। बताया जाता है कि भोपाल,इंदौर जैसे दुग्ध संघ तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद घाटे में नहीं थे, अलबत्ता ग्वालियर,जबपलुर,उज्जैन,रीवा आदि डूबते-उतराते रहे। कहा जाता है कि ग्वालियर का दूध तो दिल्ली तक बिकता था, इतना व्यापक दायरा होने के बाद यह कैसे घाटे में जाता रहा? तब सरकार का ध्यान किधर था। अजब बात तो यह भी कही जाती है कि कुछ महीने पहले इंदौर संयंत्र में मिल्क पाउडर का संयंत्र डालने पर करोडों खर्च किये गये। इसे भी जानकार फायदे का सौदा नहीं बताते, क्योंकि इसकी लागत ढाई सौ रू प्रतिकिलो से ज्यादा आती है और बाजार में ऐसे उत्पाद सवा दो सौ रूपये में मिलते हैं !

जहां तक अमूल की मप्र में एंट्री की आशंका व्यक्त की जा रही है तो यह ब्रांड मप्र में करीब दस साल पहले आमद दे चुका था, जब उसने देवास के पास एक संयंत्र खरीदकर अपना काम शुरू किया था, उज्जैन में भी मिनी प्लांट लगाया था, मार्केट में प्रतिस्पर्धा पैदा होना हर ब्रांड के लिए अच्छा भी होता है, इससे वह बेहतर बनता है लेकिन सांची का प्रबंधन कैसे डूबता गया ! इसके अमले के बकाया एरियर्स आदि को लेकर भी कर्मचारियों में अनिश्चितता है। अब जबकि सरकार एनडीडीबी को संयंत्र सौंप रही हैं तो आने वाले समय में सिर्फ बेहतरी की ही उम्मीद की जा सकती है। मगर यह उम्मीद तो फिलहाल, दिन में ख्वाब देखने जैसी होगी कि पांच साल बाद इन संयंत्रो पर फिर मप्र का पूर्ण अधिपत्य होगा !

राजधानी हुई जलमग्न

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रतिदिन दिन हो रही बारिश से राजधानी के कई क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। कई इलाकों में लोगों के घरों में पानी तक घुस गया है। इससे उनको परेशानियों का सामना करना पड़ा।

लगातार बारिश के कारण रेलवे ने बढ़ाई रेलवे ट्रैक की निगरानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लगातार बारिश से रेलवे की चिंता बढ़ गई है। ट्रैक की निगरानी को बढ़ा दिया है। बारिश के कारण ट्रैक के गिट्टियां बहने और ट्रैक के कमजोर पड़ने की आशंकाओं के बीच रेलवे ने उक्त कदम उठाया है। रेलवे पहले भी इस तरह की निगरानी को तवज्जो देता रहा है लेकिन इस बार जैसे ही बारिश तेज हुई रेलवे ने ट्रैक पर अपने अतिरिक्त् कर्मचारियों को उतार दिया है जो कि सामान्य दिनों की तुलना में दो गुने हैं। आमतौर पर रेलवे शिफ्ट में कर्मचारियों से ट्रैक की निगरानी कराता है, पिछले एक सप्ताह से रेलवे ने सभी रेलखंडों में अधिक संख्या में रेलकर्मियों से मदद लेनी शुरू की है।

पहाड़ी व नदी वाले क्षेत्रों में ज्यादा खतराः पहाड़ और नदी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले रेलवे ट्रैक को ज्यादा खतरा है। भोपाल से इटारसी के बीच रातापानी वन्यजीव अभयारण्य में खास निगरानी की व्यवस्था है, यहां पहाड़ों पर बारिश के कारण एक साथ पानी का बड़ा बहाव आ जाता है, जो ट्रैक की गिट्टियों को कई बार बहाकर अपने साथ ले जा चुका है। ऐसी स्थिति में उक्त ट्रैक से ट्रेनों का निकलना मुश्किल वाला होता है। उधर काली जमीन और दोनों ओर पानी थमे रहने वाले हिस्सों से गुजरने वाले ट्रैक पर भी रेलवे गंभीरता से रेल परिचालन कर रहा है।

ट्रैक के किनारे जमा कराई रेत की बोरियांः भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाले ट्रैक के बड़े हिस्से में रेलवे ने रेत से भरी बोरियों की छल्लियां लगा दी हैं। ऐसा इसलिए किया है, ताकि ट्रैक से गिट्टियां न बहें। लगभग सभी क्षेत्रों में सुरक्षात्मक दृष्टि से ये कदम उठाए हैं।

400 टन वजनी स्टील ब्रिज पर ट्रैक बिछाने की तैयारी

मेट्रो के ब्रिज पर पटरियां बिछाने और बाधा हटाने का दोतरफा मिशन शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेट्रो के 400 टन वजनी स्टील ब्रिज पर अब ट्रैक बिछाने की तैयारी तेज है। इसके लिए पिलर और ब्रिज के बीच 3 गर्डर रख दिए गए हैं। वहीं, जिस लोहे के स्ट्रक्चर पर ब्रिज रखा है, उसे बड़ी मशीनों से हटाया जा रहा है। दूसरे कंपोजिट ब्रिज को रखने को लेकर भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। सितंबर में ही इसे भी बड़ी मशीनों की मदद से रखा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास हबीबगंज नाके से डीआरएम स्टेशन के बीच 2 स्टील ब्रिज से मेट्रो गुजरेगी। इसके लिए पिछले 8 महीने से काम चल रहा है। बीते दिनों तीन घंटे के अंदर रेलवे ट्रैक पर पिलर के ऊपर 65 मीटर लंबा और 400 टन वजनी ब्रिज का स्ट्रक्चर रख दिया गया था। ब्रिज और पिलर के बीच 3 गर्डर भी लॉन्च कर दी गई है। हबीबगंज नाके से स्टील ब्रिज के नीचे से लोहे का स्ट्रक्चर हटाया जा रहा है। ऐसे में कोई हादसा न हो, इसलिए 20 कर्मचारियों को तैनात किया गया है। अगले एक सप्ताह में पूरा स्ट्रक्चर हटा लिया जाएगा।

इधर मेट्रो की राह की बाधाएं बनी सिरदर्द

मेट्रो के रास्ते में इस वक्त सुभाष नगर से सिंधी कॉलोनी तक अब भी आरा मशीनों सहित दुकान और मकान तक की ढाई सौ से ज्यादा हैं। अब इन्हें हटाने के लिए तीन चरण में काम किया जाएगा। पहले चरण में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाए जाएंगे। इसके बाद निजी जमीनों के मामले सुलझाएंगे। इसके बाद पुट्ठा मिल जैसे लंबित मामलों को लिया जाएगा। दरअसल पुल बोगदा आजाद नगर 38 दुकानें बाधा हैं, यहां 38 दुकानदारों को मुआवजा देना बाकी है। यहां सबसे पहले काम शुरू होगा। फिर 108 आरा मशीनों को शिफ्टिंग का पूरा प्लान बनेगा। मेट्रो रूट में सबसे बड़ी बाधा 108 आरा मशीन हीं हैं। इसके लिए एयरपोर्ट रोड पर 18 हेक्टेयर जमीन तय की गई है। इसी तरह प्लेटफार्म 6 के सामने 100 दुकानें-मकान आडे आ रही हैं। यहां 0.4 हेक्टेयर जमीन की जरूरत मेट्रो को है। बताते हैं कि इसके लिए एसडीएम की सभी से बातचीत के बाद लगभग सहमति बन गई है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि सभी एसडीएम को एक महीने के अंदर मेट्रो रूट में आने वाली सभी बाधाएं हटाने के निर्देश दिए गए हैं। आरा मशीन को भी एक महीने के अंदर शिफ्ट करने का टारगेट है।

14 को नेशनल लोक अदालत, सुलह के लिए रखे जाएंगे 88433 मामले

2024 की तीसरी लोक अदालत के लिए 59 खण्डपीठों का हुआ गठन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वर्ष 2024 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 सितंबर को किया जाएगा।ड़ नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय भोपाल, तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय सहित कुल 59 खण्डपीठों का गठन किया गया है। वर्तमान में जिला भोपाल अंतर्गत न्यायालयों में सभी प्रकार के कुल 1,49,710 मामले लंबित हैं। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 पराक्राम्य लिखित अधिनियम, क्लेम प्रकरण, विद्युत अधिनियम, वैवाहिक विवाद सम्बंधी एवं अन्य सिविल प्रकरण सहित कुल 21406 राजीनामा प्रकरण रखे जाएंगे। विद्युत अधिनियम, बैंक रिकवरी, जलकर एवं बी.एस.एन.एल. विभाग, यातायात ई-चालान से संबंधित लगभग 67027 प्रीलिटिगेशन प्रकरण नेशनल लोक अदालत के समक्ष रखे जाएगे।

प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति के आधार परः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव आरती शर्मा द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने से संपूर्ण कोर्ट फीस वापसी होती है। साथ ही पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति से सौहार्दपूर्व वातावरण में प्रकरण का निराकरण होने से समय एवं धन की बचत भी होती है। नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति के आधार पर कराया जाकर लोक अदालत का लाभ उठाने के लिए आव्हान किया है। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल एवं तहसील विधिक सेवा समिति, बैरसिया से सम्पर्क किया जा सकता है।

सेवासदन का 20 सितंबर को फ्री हेल्थ चेकअप कैंप

संतजी के अवतरण दिवस पर निर्धनों के निःशुल्क ऑपरेशन किए जाएंगे

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम साहिब जी के 119वें जन्मदिवस पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय 20 सितम्बर को निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर लगाया जायेगा। इसमें चिन्हित मोतियाबिंद रोगियों के ऑपरेशन 21 सितम्बर 2024 को होंगे । इसी प्रकार चिकित्सालय द्वारा संत जी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या 20 सितम्बर 2024 को एक अन्य निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है ।

बता दे, संतजी का 119वां जन्मदिवस 21 सितम्बर 2024 को ÷सेवा दिवस÷ के रूप में मनाया जायेगा । निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 119 रोगियों के ऑपरेशन किये जायेंगे । यह शिविर दुबई के दानदाता विनोद शिवलानी के सहयोग से और जीव सेवा संस्थान के तत्वावधान में लगाया जायेगा ।इसके अतिरिक्त सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा साधु वासवानी स्कूल में दिनांक 20 सितम्बर 2024 को सुबह 9 से अपरान्ह दो बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया जायेगा । इसमें दंत और नेत्र रोग परीक्षण, पैथॉलाजी जांचें जैसे

सीबीपी, एफएनएसी, हृदय रोग, डायबिटीड़, ब्लडप्रेशर, ईएनटी, आर्थोपेडिक्स और जनरल मेडिसिन से संबंधित रोगों की जांच की जायेगी 0। इन बीमारियों के चिकित्सा विशेषज्ञ शिविर में उपस्थित रहेंगे।

शिविरों में रोग परीक्षण करवाने के इच्छुक रोगी मोबाइल नं. 6260392547 पर अपना पंजीयन करवा सकते हैं । सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के अध्यक्ष सिद्धभाऊजी ने संत नगर सहित भोपाल एवं आसपास के निर्धन परिवारों के रोगियों से शिविरों में चिकित्सा सेवा सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की है ।

बोरवन पार्क में सियारों के झुंड से दहशत, सुबह लोगों ने देखा

हिरदाराम नगर. संतनगर स्थित बोरवन पार्क में सियारों के झुंड की मौजूदगी से दहशत फैल गई। पार्क में सुबह टहलने आए लोगों ने न केवल झुंड को देखा, बल्कि उनका वीडियो बनाकर भी वायरल किया। मामले की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। सियारों के झुंड का वीडिया समाने आने के बाद पार्षद अशोक मारण ने बताया कि सुबह के समय बड़ी संख्या में लोग बोरवन पार्क में टहलने लाते हैं। बुधवार को भी वह यह टहल रहे थे, तभी आधा दर्जन से अधिक सियारों को झुंड देखकर दहशत में आ गए। सियार लोगों को हमला कर सकते है, इसलिए थाने में इसकी सूचना भी। पुलिस का कहना है कि मामले में वन विभाग को बता दिया है। विभाग का अमला बोरवन पार्क में आएगा। बारिश के चलते वन विहार से सियारों ने यहां का रूख किया है। पार्क में टहलने वालों ने तत्काल वन विभाग से सियारों पर नजर रखने और यह सुनिश्चित करने की मांग की है।

कुटिया प्रांगण में बालक मंडली की प्रस्तुति 20 को

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम युवा समिति (साईं ग्रुप) द्वारा संत हिरदारामजी के 119वें अवतरण दिवस की पूर्व संध्या पर 20 सितंबर को रात्रि 8.30 बजे से कटनी की मशहूर बालक मण्डली (दिलीप-गोवर्धन) का संगीतमय आयोजन संतजी की कुटिया सेवा संकल्प धाम संत हिरदाराम नगर के प्रांगण में आयोजित किया गया है। समिति ने संतजी के अवतरण दिवस पर 21 सितंबर को भोपाल एवं संत नगरवासी अपने-अपने घरों में पांच दीये प्रज्ज्वलित करने की अपील की है।

चिल्ड्रेन होप इंडिया स्कूल में सुरभि अग्रवाल का सत्र

सीए के लिए योग्यता, प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी छात्राओं को

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल गांधीनगर में कॅरिअर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को वाणिज्य से जुड़े कॅरियर की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कॅरियर काउसंलर सुरभि अग्रवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि लड़किया को कॅरियर के लिए ऐसे क्षेत्र चुनना चाहिए, जो घर-परिवार की जिम्मेदारी निभाने में मुश्किल न बने। ऐसा ही कॅरियर है चार्टर्ड अकाउंटेंसी। उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी के लिए आवश्यक योग्यताएँ और प्रवेश प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दीं। साथ ही चार्टर्ड अकाउंटेंसी का कोर्स कराने वाली उन संस्थाओं की जानकारी दी, जो भविष्य में पढ़ाई के साथ कॅरियर को लेकर निर्णय लेने में सहायक होंगी। सत्र के बाद छात्राओं ने काउंसलर से कई सवाल पूछे जिनका समाधान मिला। अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे छात्राओं को चार्टर्ड अकाउंटेंसी से संबंधित कॅरियर विकल्पों के बारे में सही जानकारी और मार्गदर्शन मिलेगा। अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी एवं प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा द्वारा सुरभि अग्रवाल को शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। सुरभि अग्रवाल ने प्राचार्या प्रिया जैन को आईसीएआई का स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

मेट्रो एंकर | साधु वासवानी स्कूल में 100 शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान

'स्कूल की पढ़ाई नींव, असली पढ़ाई कॉलेज की'

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में शिक्षक दिवस से शुरू हुए शिक्षक सम्मान समारोहों को सिलसिला जारी है। बुधवार को साधु वासवानी स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, इसमें संस्था के 100 शिक्षक-शिक्षिकाओं को संत सिद्धभाऊजी एवं कर्नल नारायण पारवान ने सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत में वरिष्ठ शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि कहा कि शिक्षक का पेशा धन कमाने का साधन नहीं, वरन यह पेशा तो कर्त्तव्यपालन का है। साथ ही यह बड़ी जिम्मेदारी का कार्य है इस जिम्मेदारी में बच्चों का भविष्य जुड़ा हुआ है।

सिद्धभाऊजी ने कहा कि जो विद्यार्थी शिक्षक की बातों को ध्यान से नहीं सुनते वे पीछे रह जाते हैं क्योंकि शिक्षक तो सभी बच्चों को एक समान पड़ाते हैं तो बच्चों का यह कर्तव्य है कि उनकी बातों को एकाग्रता से सुनेगें तो आप कभी पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी का यह कर्तव्य है कि सिर्फ अपने लक्ष्य पर फोकस करें, स्कूल की पढ़ाई एक नींव की तरह है परंतु असली पढ़ाई कॉलेज की होती है क्योंकि वहीं पढ़ाई आपका

भविष्य निर्धारित करती हैं शिक्षा का कोई मुकाबला नहीं शिक्षा सदैव सम्मान प्रदान करती है। कार्यक्रम में रिटायर्ड कर्नल नारायण पारवानी भी अतिथि के रूप में शामिल हुए पारवानी ने कहा कि शिक्षक न केवल शिक्षा देता है, वह संस्कार के साथ जिम्मेदार नागरिक बनाता है। बच्चे के समग्र विकास में शिक्षक का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा राजस्थानी नृत्य रंगीलों मारो डोलना एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य प्रस्तुत किया गया।

सिंधी महिला पंचायत एवं लायंस क्लब ने किया है सम्मानित

संत कॉलेज की सम्मानित प्रोफेसर ने कहा, आंतरिक ऊर्जा में वृद्धि हुई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी महिला पंचायत और लायंस क्लब भोपाल मन्ड़नत के शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित हुई, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की शिक्षिकाओं का कहना है कि सम्मान आंतरिक ऊर्जा में वृद्धि करने वाला है। बता है संत कॉलेज की प्रोफेसर मंजू देवनानी और चित्रा वाधवानी को उनके उत्कृष्ठ शैक्षणिक योगदान के लिए विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि महाविद्यालय की दोनों प्राध्यापिकाओं को सम्मान मिलना, उनकी संस्था के प्रति गहरी प्रतिबद्धता और शिक्षा के क्षेत्र में कठिन परिश्रम को दर्शाता है।

प्रोफेसर मंजू देवनानी एवं वाधवानी ने कहा कि सम्ड़मान ने हमारे शिक्षण कार्य के प्रति जिम्ड़मेदारी और समर्पण को अधिक मजबूत किया है। हमारा प्रयास रहेगा की शिक्षा के क्षेत्र में निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्व को निभाते हुए समाज के सर्वांगीण विकास में योगदान करते रहें।

घाटा और कमाई का अड्डा बने 48 साल पहले गठित दुग्ध संघों पर सियासत

सरकार को देनी पड़ी सफाई, कांग्रेस ने कहा था पीछे के रास्ते अमूल को देने की साजिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। 48 साल पहले गठित सहकारी दुग्ध संघों पर सियासत जारी है। ये अब तक ये घाटे में होने, कमाई का अड्डा बने होने और मिलावट के कारण सुर्खियों में थे इस बार नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ त्रिपक्षीय समझौते के कारण चर्चा में है। सरकार का दावा है कि एनडीडीबी के साथ मिलकर इनका कायाकल्प किया जाएगा इसलिए कुछ दुग्ध संघों का संचालन अगले पांच वर्ष तक एनडीडीबी को दिया गया। जबकि कांग्रेस के विवेक तन्खा, जीतू पटवारी समेत अन्य का कहना है कि यह चाल है, जिसके तहत सांची जैसे मप्र के अपने ब्रांड को खत्म करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। ये संघ धीरे से किसी और को दिए जा सकते हैं तो वहीं सरकार ने सफाई देते हुए पूरी स्थिति स्पष्ट की है कहा है कि ऐसा कुछ भी नहीं है, यह दूध उत्पादन, संग्रहण बढ़ाने की दिशा में प्रयास है, जिसके तहत काम कर रहे हैं। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड भी सरकार का ही उपक्रम है, जो दुग्ध उत्पादन व संग्रहण में मदद करता है।

केंद्रीय गृहमंत्री को मुख्यमंत्री ने दी त्रिपक्षीय समझौते की जानकारी

इधर माना जाता है कि एनडीडीबी को दुग्ध संघों के संचालन संबंधी जानकारी देने खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिल्ली गए। उनकी गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि दुग्ध संघों के संचालन का जिम्मा पांच साल के लिए एनडीडीबी को दे दिया है। मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री से और भी कई विषयों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने बताया कि दुग्ध संघों के प्रबंधन और संचालन आगामी पांच वर्ष के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से किए जाने पर सहमति बनी है। इस समझौते से लगभग 11 हजार गांवों के पशुपालक और दुग्ध-उत्पाद किसानों की आय में वृद्धि होगी। प्रदेश सरकार सहकारिता के क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में इन 11 हजार गांवों में बहुउद्देशीय सहकारी संस्थाओं का गठन करेगी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन ब?ने से साँची दुग्धसंघ का उन्नयन होगा। साँची ब्रांड को और बेहतर बनाया जायेगा। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड देश में दुग्ध सहकारिता के विस्तारीकरण, सुदृढ़ीकरण, दुग्ध उत्पादन, दुग्ध विपणन, तकनीकी सलाह, दुग्ध प्रसंस्करण, पशु प्रजनन, पशुपालन से संबंधित आधुनिकतम तकनीकी परामर्श इत्यादि कार्य करती है। मध्यप्रदेश में पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, दुग्ध एकत्रीकरण की क्षमता को बढ़ाने व प्र-संस्करण एवं वितरण व्यवस्था के सुदृ?ीकरण के उद्देश्य से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ हुई बैठक में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के द्वारा सहयोग दिए जाने पर सहमति दी गई। केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रदेश शासन के इस नवाचार की सराहना की और इस दिशा में पूरे प्रदेश में काम करने का सुझाव दिया।

त्रि-पक्षीय एमओयू के खास बिंदू

- राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, मध्यप्रदेश पशुपालन और स्टेट डेयरी को-ऑपरेटिव फेडरेशन के बीच त्रि-पक्षीय समझौता हुआ। डेयरी सहकारी समितियों के माध्यम से सहकारी कवरेज का विस्तार किया जायेगा।
- कृषक प्रशिक्षण एवं सहकारी डेयरी कवरेज में वृद्धि के लिये सहकारिता अधिनियम के तहत पंजीकृत किसान उत्पाद संगठनों, स्व-सहायता समूहों और बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को शामिल करेंगे।
- दुग्ध संकलन, परिवहन और प्र-संस्करण के विभिन्न चरणों में गुणवत्ता सुधार करेंगे।
- मौजूदा बुनियादी ढाचे का इष्टतम उपयोग, संयंत्र प्रौद्योगिकी उन्नयन और एण्ड-टू-एण्ड डिजिटलीकरण करेंगे।
- अन्य राज्यों में विपणन और विदेशों में निर्यात के लिये नीतिगत सुझाव सहित दूध और दुग्ध उत्पादों की बाजार में विपणन गतिविधियों का सुदृढ़ीकरण करेंगे।
- मानव संसाधनों की पद स्थापना एवं क्षमता निर्माण किया जायेगा। डेयरी सहकारी समितियों के लिये चुनाव प्रक्रिया में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया जायेगा।
- ग्वालियर और जबलपुर का दुग्ध संघ का पुनरुत्थान एवं जबलपुर दुग्ध संघ के कार्यक्षेत्र के पुनर्गठन और जबलुर संभाग के लिये पुनर्गठित जबलपुर दुग्ध संघ और शहडोल और रीवा संभाग के लिये नये रीवा-शहडोल दुग्ध संघ की स्थापना के लिए नीतिगत सुझाव संबंधी सहमति बनी।

मप्र तीसरे नंबर पर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के बाद दुग्ध उत्पादन में अग्रणी है। प्रदेश में प्रतिदिन साढ़े पांच करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन हो रहा है। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में मध्यप्रदेश की स्थिति राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। जहां देश में प्रति व्यक्ति 459 ग्राम दूध प्रतिदिन की उपलब्धता है वहीं मध्यप्रदेश में यह 644 ग्राम है। अगले पांच वर्ष में प्रदेश का दुग्ध उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य है। इसके लिए सहकारी आन्दोलन को मजबूत करने और किसानों एवं पशुपालकों को लाभान्वित करने की दिशा में कार्य होगा। प्रदेश के करीब चालीस हजार ग्रामों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किये जायेंगे। वर्तमान में 10 से 15 हजार ग्रामों में दुग्ध उत्पादन की स्थिति संतोषजनक है। शेष ग्रामों में विभिन्न उपायों से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के प्रयास किए जाएंगे।

मंदसौर, नीमच और सिवनी मेडिकल कॉलेज की सीटें हुई दोगुनी

मेडिकल शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए नए अवसर : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। 'सुन्दरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंदसौर', 'वीरेन्द्र कुमार सकलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय नीमच' एवं 'शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सिवनी' में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए सीटों की संख्या को 50 से बढ़ाकर 100 कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इस दिशा में किए गए निरंतर प्रयासों के लिए आभार प्रकट किया है। शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए नए अवसर सृजित होंगे और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के युवा विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के साथ-साथ, राज्य में चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

3.50 करोड़ रुपए में हर संभाग में तैयार होगा 50-50 सीटर दिव्यांग छात्रावास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग विभिन्न मदों में छात्रावास का निर्माण करा रहा है। संभागीय मुख्यालयों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका दिव्यांग छात्रावास के निर्माण के लिये विभागीय बजट में प्रावधान किया गया है। प्रति छात्रावास निर्माण पर करीब 3 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि खर्च होगी। ग्वालियर, जबलपुर तथा शहडोल में छात्रावास निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा प्रदेश के 22 जिलों में 43 छात्रावासों का निर्माण राज्य खनिज कोष से मंजूर किया गया है। यह छात्रावास मॉडल स्कूलों के छात्रावास के रूप में विकसित किये जा रहे हैं। मंजूर छात्रावास भवनों में से 27 छात्रावासों के भवन निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है। इन छात्रावासों में करीब 3600 विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा मिलना शुरू हो गयी है। वहीं शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद सुदृढ़ीकरण योजना के अंतर्गत 17 शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में बहुद्देशीय हॉल के निर्माण के लिये एक करोड़ रुपये प्रति हॉल की दर पर मंजूरी प्रदान की गयी है। मंजूर किये गये हॉल निर्माण में से 15 स्थान पर कार्य पूरे किये जा चुके हैं।

भारत में रहकर भारत की खोज, इतिहास की मौलिक घटना

सरकार लेखक को नोबल पुरस्कार के लिए प्रस्तावित करे: कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा बरकतुल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में किये गये इस उद्घाटन को कि भारत की खोज भारत में ही रहने.वाले चंदन नामक व्यापारी ने की है को सकारात्मक दृष्टि से देखना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस के विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि दुनिया में यह प्रथम अनुभव है कि कोई रहवासी अपने ही देश की खोज कर ले। गुप्ता ने मांग की कि लेखक की इस पुस्तक को सरकार नोबल पुरुस्कार के लिये प्रस्तावित करे,ताकि प्रेरणा लेकर अनेक मौलिक इतिहासकार शोध के लिये आगे आयें। गुप्ता ने मांग की कि सरकार इस पर एक पीठ स्थापित कर रिसर्च करवाये कि चंदन नामक व्यापारी जिन देशों में व्यापार करने जाता था उन देशों की खोज करने का दावा उसने क्यों नहीं किया होगा।इतिहास के क्षेत्र में ऐसी पुस्तकें मध्यप्रदेश के छात्रों को नया सोच देंगी जिससे अपने घर में रहते हुए भी अपने घर की खोज की जा सकती है। ज्ञान के एकाधिकार के इस नये अभियान से भारत के विश्वगुरू बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

बीयू में 15 तक होगा खाली सीटों पर प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) ने छात्रों को प्रवेश लेने के लिए एक और मौका दिया है। अब विद्यार्थी 15 सितंबर तक प्रवेश ले सकते हैं। इससे पहले प्रवेश की आखिरी तारीख 30 अगस्त थी। बीयू में बीटेक, एमबीए और फार्मेसी को छोड़कर 58 अंडर ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन व अन्य डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स हैं। इनमें करीब एक हजार 667 सीट हैं। 30 अगस्त तक इनमें से 991 सीटों पर छात्रों ने प्रवेश लिया है। 11 यूजी कोर्स में करीब 415 सीटों पर 293 प्रवेश हुए हैं।

वनग्राम और दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ महिला शिक्षकों के लिए बनेंगे सरकारी आवास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में वनग्राम औ दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ महिला शिक्षकों के लिए राज्य शासन द्वारा नजदीकी निकाय में मकान बनाए जाएंगे। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए है। लोक शिक्षण संचालक डीएस कुशवाह ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) से 7 दिन में भूमि का चयन कर प्रस्ताव मांगे हैं। आदेश में कहा गया है कि, विकासखंड, नगर पंचायत, नगर पालिका मुख्यालय स्तर पर 100 शिक्षकों के आवास के लिए बहुमंजिला भवन बनाएगा। इन आवासों का निर्माण बहुमंजिला फ्लेट के रूप में होगा।?इसके लिए 3 से 5 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। शिक्षिकाओं के लिए यह आवास उस स्थान पर बनाए जाएंगे, जहां से आवागमन सुलभ हो। कहीं भी जाने के लिए वहां से वाहन सुविधा हो और सड़क भी हो।

मेट्रो एंकर | विशेष व्याख्यान: राजद्रोह समाप्त कर कानून में इसे गंभीर अपराध माना

न्याय संहिता में पहली बार अपराधों की अलग व स्पष्ट व्याख्या की गई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारत सरकार ने राजद्रोह को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है और इसके स्थान पर ऐसे कृत्य जिससे भारत की एकता, अखण्डता और संप्रभुता पर विघटनकारी विचारधारा से खतरा कारित हो जैसे प्रावधान सम्मिलित किया गया है। क्योंकि भारत में लोकतंत्र है और सबको बोलने का अधिकार है। पहले आतंकवाद की कोई व्याख्या ही नहीं होती थी, लेकिन अब अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियां, अलगाववाद, भारत की एकता, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने जैसे की पहली बार इस कानून में व्याख्या की गई है और इससे जुड़ी संपत्तियों को ज़ब्त करने का अधिकार भी दिया गया है।

यह बात राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधी नगर, गुजरात के एडजंक्ट प्रो वीसी डॉ आनंद कुमार त्रिपाठी ने भोपाल में न्यू? पोर्टल एमपी पोस्ट के दो दशक पूरे होने के अवसर विशेष व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत कहीं। त्रिपाठी ने भारतीय वांग्मय के कई ग्रंथों, गीता, रामचरित मानस और आधुनिक रचनाकारों जैसे मैथिली शरण गुप्त आदि की रचनाओं का उदाहरण रखते हुए मौजूदा न्याय संहिता के कई कानूनों का जिक्र किया। इससे पहले वरिष्ठ पत्रकार सरमन नगेले ने विषय की पूर्वपीठिका रखते हुए छात्रों से संवाद के दौरान उन्हें डिजिटल मीडिया में जर्नलिज्म की संभावनाओं और आवश्यक स्किल्स की जानकारी दी। डॉ त्रिपाठी ने वर्तमान समय में उठ रहे कानूनी समस्याओं पर विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। वहीं सेज यूनिवर्सिटी में आंतरिक सुरक्षा और रोजगार के अवसर एवं भारतीय न्याय संहिता विषय पर व्याख्यान का आयोजन में डॉ त्रिपाठी ने छात्रों को उपनिषदों के उदाहरणों के माध्यम से सरल भाषा मे भारतीय न्याय संहिता के बिंदुओं के बारे में विस्तार से समझाया। सरमन नगेले ने विद्यार्थियों से संवाद के दौरान उन्हें डिजिटल मीडिया में जर्नलिज्म की संभावनाओं, फेक न्यूज, फैक्ट चेक और आवश्यक स्किल्स की जानकारी दी, उन्होंने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए संसदीय रिपोर्टिंग और इलेक्शन जर्नलिज्म के मुख्य पहलुओं की जानकारी देते हुए सूचना की प्रामाणिकता पर ध्यान देने का सुझाव दिया।

संपादकीय

गुस्से और कर्त्तव्य के बीच

सरकारी चिकित्सा व्यवस्था किसी भी समाज के लिए सबसे बडा आपात सहारा होती है। लेकिन कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना के खिलाफ चिकित्सकों का आंदोलन इस व्यवस्था को फिलहाल तो ध्वस्त कर चुका है। हालांकि इनके आंदोलन का आधार बिल्कुल उचित है। यह भी कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर उभरे जनाक्रोश की वजह से ही सरकारी तंत्र के भीतर कानूनी कार्रवाई को लेकर सजगता देखी जा रही है। मामले की जांच सीबीआइ भी कर रही है और इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट भी जरूरी सवाल उठा रहा है, जिसका जवाब देना पश्चिम बंगाल सरकार के लिए भारी पड़ रहा है। मगर इसका एक पहलू यह भी है कि राज्य में इस घटना के खिलाफ चिकित्सकों का जो विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था, उसके एक महीने से ज्यादा समय से जारी रहने की वजह से सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवा बुरी तरह बाधित हुई है। सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर चल रही सुनवाई के दौरान सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार ने बताया कि चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन की वजह से तेईस मरीजों की जान चली गई। चिकित्सकों की हड़ताल और उनके आक्रोश के औचित्य को समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। मगर अफसोस की बात यह है कि त्रासद वारदात में आरोपी सहित संदेह के घेरे में आए अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में अनिवार्य सजगता नहीं दिखाई गई। यही वजह है कि समूचे देश में इस घटना के खिलाफ आक्रोश पैदा हुआ। इसमें देश के अलग-अलग हिस्से में उभरा चिकित्सकों का आंदोलन भी है। यों कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए जब चिकित्सकों से काम पर लौटने को कहा था, तब दिल्ली के कुछ अस्पतालों में डॉक्टरों ने ड्यूटी पर वापस आने की बात कही, मगर पश्चिम बंगाल में चिकित्सकों का आंदोलन अपनी मांगों पर डटा रहा। अब एक बार फिर अस्पतालों में सेवा बाधित होने और उसकी वजह से मरीजों के सामने पैदा होने वाले जोखिम की वजह से सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सकों को ड्यूटी पर लौटने का निर्देश देते हुए कहा कि कामकाज शुरू करने पर उनके खिलाफ कोई विपरीत कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह छिपा नहीं है कि अगर किसी भी वजह से सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवा ठप होती है तो इसका सीधा असर वहां आने वाले मरीजों की सेहत पर पड़ता है, जो आमतौर पर गरीब तबकों से आते हैं। ऐसे मरीजों और उनके परिजनों के सामने महंगे निजी अस्पतालों या डाक्टरों के क्लीनिक में जाकर इलाज का खर्च उठाने की सामर्थ्य नहीं होती। वे इलाज के लिए आमतौर पर सरकारी अस्पतालों पर निर्भर होते हैं। ऐसे में चिकित्सकों के ड्यूटी पर नहीं लौटने का खमियाजा उन्हें ही उठाना पड़ रहा है। इस क्रम में राज्य सरकार की ओर से अदालत में बताए गए तेईस मरीजों की मौत के आंकड़े सही हैं, तो यह चिंताजनक है। समय पर चिकित्सा या अस्पतालों में कामकाज को वैसे भी अनिवार्य सेवाओं के तहत देखा जाता रहा है। प्रशिक्षु चिकित्सक के बलात्कार और उसकी हत्या से सभी लोग दुखी और आक्रोशित हैं। मगर जरूरत इस बात की भी है कि सरकारी अस्पतालों के भरोसे जीवन बचाने की उम्मीद पर टिके मरीजों की मुश्किल के मसले पर भी प्रदर्शनकारी चिकित्सक अपने दायित्व पर विचार करें। इसमें दो राय नहीं कि घटना की जांच, अपराध के साबित होने और दोषी को अधिकतम सख्त सजा मिलने के संदर्भ में कानूनी कार्रवाई के किसी भी पहलू पर अगर सरकार अब कोई ढीला रवैया अख्तियार करती है, तो उसे कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। मगर जो परिवार समुचित चिकित्सा के अभाव में भटक रहे हैं उनका दोषी कौन है?

मनुष्य का जीवन बहुत अल्प होता है। उसका स्वार्थ और लोभ बहुत बड़ा होता है।

– रांगेय राघव

आज का इतिहास

- 1500: पेड्रो अल्वरेज कैबरल कालीकट पहुंचा और भारत में पहली यूरोपीय (पुर्तगाली) फैक्टरी स्थापित की।
- 1791: फ्रांस के राजा लुई14वें ने नया संविधान अंगीकार किया।
- 1882: एंग्लो-मिस्र युद्धः तेल अल केबिर की लड़ाई लड़ी गई।
- 1912: अमेरिकी अभिनेत्री रीटा शॉ का जन्म।
- 1914: प्रथम विश्व युद्धः जर्मनी और फ्रांस के बीच एस्ने की लड़ाई शुरू हुई।
- 1922: पोलैंड की संसद ने जिडायनिया बंदरगाह निर्माण अधिनियम पारित किया।
- 1923: स्पेन में सैन्य तख्तापलट। मिगेल डे प्रिमो रिवेरा ने तानाशाह सरकार की स्थापना की। ट्रेड यूनियनों को 10 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया।
- 1947: प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने 40 लाख हिंदुओं और मुसलमानों के पारस्परिक स्थानांतरण का सुझाव दिया।
- 1948: उप प्रधानमंत्री वल्लभ भाई पटेल ने सेना को हैदराबाद में घुस कर कार्रवाई करने और उसे भारतीय संघ के साथ एकीकृत करने का आदेश दिया।
- 1968: अल्बानिया वारसॉ संधि से अलग हुआ।
- 2000: भारत के विश्वनाथन आनन्द ने शेनयांग में पहला फ़िडे शतरंज विश्व कप जीता।
- 2001: ओसामा बिन लादेन को पकड़ने हेतु अमेरिका ने पाकिस्तान पर दबाव डाला।
- 2005: सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता हेतु समर्थन देने के लिए अमेरिका ने मानकों की घोषणा की।
- 2006: इब्सा (भारत-ब्राजील-साउथ अफ्रीका त्रिगुटीय संगठन) का पहला शिखर सम्मेलन ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में शुरू।
- 2007: रूसह राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने प्रधानमंत्री मिखाइल फ्रेदकोव के आग्रह पर केन्द्रीय कैबिनेट भंग किया।
- 2008: दिल्ली में तीन स्थानों पर 30 मिनट के अंतराल पर एक के बाद एक चार बम विस्फोट हुए। इनमें 19 लोगों के मृत्यु और 90 से अधिक घायल।

निशाना

है प्रदर्शन काल !

- कृष्णेन्द्र राय

रस्साकस्सी चल रही ।
किसको दें कमान ?
सबकी है प्रतिष्ठा ।
और सबका सम्मान ।।
अपनी-अपनी शक्ति का ।
है प्रदर्शन काल ।।
कौन कौन है एकजुट ।
है बड़ा सवाल ।।
खुल रही है कलई ।
छिड़ा घमासान ।।
सबकी इच्छा बलवती ।
छू लें आसमान ।।
है भविष्य के गर्भ में ।
होगा कब कमाल ?
है बड़ा दिलचस्प ।
गलनी किसकी दाल ।।

भारत पर भी असर डाल रहा है बांग्लादेश आंदोलन, वह सैन्य स्तर पर भी संवाद करे

■ मनोज नरवणे

इतिहास गवाह है कि क्रांतियां समाजों, सरकारों और दुनिया को नया रूप देती रही हैं. क्रांतियां प्रायः आर्थिक, राजनीतिक, और सामाजिक नाइंसफ़ियों की वजह से होती हैं. उदाहरण के लिए, वित्तीय तकलीफ़ों और आर्थिक असमानता से अक्सर जनअसंतोष फूटता है; राजनीतिक स्वतंत्रता के अभाव और तानाशाही शासन से व्यापक आक्रोश जन्म लेता है; और वास्तविक या काल्पनिक शिकायतों को जब मीडिया में जरूरत से ज्यादा तूल देकर मुहिम चलाई जाती है तो लोगों के बड़े समूहों को आंदोलित किया जा सकता है। क्रांतियां अक्सर अजीब-ओ-गरीब मोड़ भी ले लेती हैं. कोई विरोध किसी सीमित लक्ष्य को लेकर शुरू हो सकता है लेकिन आगे चलकर मजबूत हो सकता है और उसके अप्रत्याशित परिणाम निकल सकते हैं. फिर उसमें कई तरह के एजेंडा और हित शामिल हो जाते हैं जो विरोध के मूल मुद्दे को हड़प लेते हैं. इस तरह वह विरोध आंदोलन क्रांति में बदल जाता है जिसके अलग नतीजे सामने आते हैं। सकारात्मक- क्रांतियों की सफलता से ज्यादा राजनीतिक स्वतंत्रता, ज्यादा आर्थिक समृद्धि, और सामाजिक न्याय हासिल हो सकता है. उदाहरण के लिए, अमेरिकी क्रांति (1775) के कारण अमेरिका में लोकतांत्रिक शासन की स्थापना हुई।

मिश्रित- 1789 की फ्रांसीसी क्रांति ने वहां राजशाही को उखाड़ फेंका और गणतंत्र कायम किया लेकिन इसके कारण आतंक का राज भी कायम हुआ और इसके फलस्वरूप नेपोलियन बोनापार्ट का उत्कर्ष हुआ. इसी तरह, 2003 में जॉर्जिया में, 2004 में यूक्रेन में, 2005 में किर्गिस्तान में जो क्रांतियां हुई उनके कारण अहम राजनीतिक परिवर्तन हुए और लोकतंत्र मजबूत हुआ. स्थायी सुधारों, और स्थिरता के लिहाज से उन्हें जो दीर्घकालिक सफलताएं मिलीं वे मिलीजुली किस्म की थीं। नकारात्मक- कुछ क्रांतियां अपने अपेक्षित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाईं और उनके कारण काफी अराजकता और अव्यवस्था फैली. उदाहरण के लिए 'अरब स्प्रिंग' (2010-12) के कारण सीरिया और लीबिया जैसे देशों में गृहयुद्ध ही छिड़ गया।

बांग्लादेश में छात्रों की अगुआई में 5 अगस्त को जो आंदोलन हुआ उसने लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित शेख हसीना का तख़्ता पलट दिया. दिसंबर 2022 में जो विरोध आंदोलन शुरू हुआ था वह कई वर्षों से जमा हो रहे मुद्दों का समाधान न किए जाने का नतीजा था. असंतोष के पीछे कई कारण थे जिन्होंने उसे पूरी क्रांति में बदल दिया. उनमें से कुछ मुद्दों का तत्परता से और सहानभूतिपूर्वक समाधान किया गया होता तो आंदोलन को शुरू में ही रोक दिया गया होता। स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में भारी आरक्षण देने के विवादास्पद 'कोटा सिस्टम' की बहाली इस आंदोलन को भड़काने का बड़ा मुद्दा बनी. खासकर बांग्लादेश के युवाओं में भारी बेरोजगारी के कारण अधिकतर छात्रों को यह 'सिस्टम' अन्यायपूर्ण लगा।शांतिपूर्ण आंदोलन के जवाब में सरकार ने जो बल प्रयोग किया और जो गैर-न्यायिक मौतें हुई उन्होंने हालात को विस्फोटक बना दिया. उदाहरण के लिए, छात्र नेता अबु सैयद की मौत ने छात्रों को और एकजुट कर दिया। सरकार और आंदोलनकारियों के बीच सार्थक संवाद का बहुत अभाव था. रचनात्मक वार्ता और सुधार के कदमों के जरिए छात्रों की चिंताओं का समाधान किया जाता तो आंदोलन को और भड़कने से रोका जा सकता था।आंदोलन सिर्फ कोटा सिस्टम के खिलाफ नहीं था, इसके साथ भ्रष्टाचार, पारदर्शिता की कमी, आर्थिक असमानता जैसे व्यापक मुद्दे भी जुड़े थे. इन व्यवस्थागत मसलों का तत्परता से निबटारा किया जाता तो असंतोष को शांत किया जा सकता था. सरकार के बारे में यह धारणा बन गई थी की वह तानाशाही की ओर बढ़ रही है और जमीनी हकीकतों से कट गई है. इस धारणा ने आग में घी डालने जैसा काम किया।

भविष्य के लिए सबक -क्रांति को भड़काने वाले फौरी कारणों का निबटारा बेहतर शासन और वार्ता के जरिए किया जा सकता था लेकिन गंभीर और गहरी समस्याओं के लिए विस्तृत सुधारों की जरूरत थी. आंदोलन को फिर से भड़कने से रोकने के लिए वर्तमान शासन को इन मसलों को प्राथमिकता देकर निबटाना होगा. यह आंदोलन लंबे समय से जमा हो रही हताशाओं के चरम बिंदु पर पहुंचने का नतीजा था। बहरहाल, बांग्लादेश में छात्र आंदोलन का भविष्य उम्मीद जगाता है क्योंकि यह राजनीति और समाज में महत्वपूर्ण सुधार ला सकता है, जैसा कि 1980 में पोलैंड के छात्र आंदोलन ने लाया था. इन दोनों छात्र आंदोलनों में यूनिवर्सिटी और हॉस्टल छात्रों की गतिविधियों और योजनाओं के केंद्र बन गए थे. दोनों देशों की सरकारों ने सख्त कदमों का सहारा लिया जिनके चलते बड़ी संख्या में मौतें हुई और हालात और भी बिगड़े।

इस आंदोलन का असर भारत के खासकर उत्तर-पूर्वी राज्यों पर पड़ सकता है. यह असर सीमा पार न करे और एक तीसरा मोर्चा न खुल जाए, इसके लिए भारत को हालात पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है।

बांग्लादेश में आगे बड़ी सावधानी से कदम उठाने पड़ेंगे, और विरोध को भड़काने वाले मसलों के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे. इस आंदोलन ने ऐसे अहम बदलाव ला दिए हैं जो देश के भविष्य को स्वरूप प्रदान करेंगे।

नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार कायम कर दी गई है, जिसमें छात्र नेताओं को भी प्रमुख पद दिए गए हैं. सरकार स्थिरता कायम करने और आंदोलनकारियों की मांगो को पूरा करने में जुटी है. लेकिन झड़पें अभी हो रही हैं, जो बताती हैं कि हालात विस्फोटक बने हुए हैं।आंदोलन को जारी रखने के लिए छात्र एक नयी राजनीतिक पार्टी बनाने पर विचार कर रहे हैं ताकि 'बेगमों की जंग' से आगे बढ़कर स्थायी राजनीतिक परिवर्तन लाया जा सके. यह बताता है कि आंदोलन अब सक्रिय राजनीतिक परिवर्तन.की ओर मुड़ रहा है।

अंतरिम सरकार के सामने राजनीतिक व्यवस्था के पुनर्निर्माण और स्थिरता कायम करने की चुनौतियां हैं, और इसके साथ भविष्य को लेकर एक उम्मीद भी है. धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा ऐसी ही एक चुनौती है जिसे प्राथमिकता देने की जरूरत है. युवा नेताओं की भागीदारी से नया नजरिया उभर रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता मजबूत हो रही है। इस क्रांति की ओर पूरी दुनिया का ध्यान गया है, और बेरोजगारी तथा राजनीतिक सुधार जैसे मसले प्रमुखता से उभरे हैं।

भारत पर असर- हमारे किसी भी पड़ोसी देश में, खासकर भौगोलिक रूप से सटे हुए पाकिस्तान या म्यांमार जैसे देशों में अस्थिरता हमें हमेशा प्रभावित करेगी. बांग्लादेश भी कोई अपवाद नहीं है. वहां की छात्र क्रांति भारत को कई तरह से प्रभावित कर सकती है।राजनीतिक और कूटनीतिक रिश्ते- इस उथलपुथल से भारत-बांग्लादेश संबंध में गिरावट आई है, जो इससे पहले अपने शिखर पर थे. भारत ने संतुलित रुख अपनाया है, और अंतरिम सरकार से बात करते हुए अपने पुराने सहयोगियों के साथ संबंधों को भी कायम रखा है. हालांकि भारत ने बांग्लादेश के इस आंदोलन को उसका आंतरिक मामला बताया है लेकिन हिंसा के बीच वहां से हजारों भारतीय छात्रों तथा नागरिकों की सुरक्षित वापसी की भी व्यवस्था की आंदोलन के कारण भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार बाधित हुआ हुआ, व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, खासकर बांग्लादेश में कारोबार करने वाले भारतीय व्यापारियों और कंपनियों की गतिविधियां। सुरक्षा के मामले में आशंका यह व्यक्त की जा रही है कि इस आंदोलन का असर भारत के खासकर उत्तर-पूर्वी राज्यों पर पड़ सकता है. यह असर सीमा पार न करे और एक तीसरा मोर्चा न खुल जाए, इसके लिए भारत को हालात पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है. वक़्त की मांग है कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच निरंतर संपर्क बना रहे, खासकर इसलिए कि बांग्लादेश सेना स्थिरता बनाए रखने वाली ताकत साबित हुई है।मानवीय तथा सामाजिक पहलू- हिंसा और अस्थिरता के कारण बांग्लादेश में रह रहे भारतीय समुदाय, खासकर वहां के मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे भारतीय छात्र भारत लौट रहे हैं. 2022 में जिस तरह यूक्रेन से और 2023 में सूडान से जिस तरह भारतीय नागरिकों को बाहर निकाला गया था उसी तरह बांग्लादेश से उन्हें निकालने की कोशिशें बताती हैं कि सरकार मौके की मांग पर कार्रवाई करने में सक्षम है. यह मौका दूसरे देशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के बेहतर उपाय करने की जरूरत को भी रेखांकित करता है।बांग्लादेश की छात्र क्रांति मुख्यतः उसका आंतरिक मामला तो है लेकिन उसका असर भारत में भी महसूस किया जा रहा है. बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना और उसकी अंतरिम सरकार के कुछ सदस्यों की यह मांग कि भारत के साथ उनके देश के सभी समझौतों और संधियों पर पुनर्विचार किया जाए, अच्छे संकेत नहीं हैं. हालात की मांग है कि भारत सरकार की ओर संतुलित प्रतिक्रिया की जाए और सभी दावेदारों के साथ संवाद के स्रोत खुले रखे जाएं।

साभार- लेखक भारतीय थल सेना के सेवानिवृत्त अध्यक्ष हैं.

स्वामी विवेकानंद का वो भाषण जिसने दुनिया में भारत की छवि को पुनःस्थापित किया

■ सतीश कुमारे

इतिहास और सभ्यताओं ने समय-समय पर विभिन्न आंखें खोल देने वाले व्याख्यानों और भाषणों को देखा और सुना है, लेकिन कुछ का मानवता पर सबसे महत्वपूर्ण और समग्र प्रभाव पड़ा। उनमें से एक, जिसने शब्दों की शक्ति से दुनिया को हिला दिया, वह स्वामी विवेकानंद का था, जिन्हें 1893 में उनके प्रतिष्ठित %शिकागो भाषण% के लिए याद किया जाता है। यह भाषण धर्म, देश, विचारधारा और राजनीति की सीमाओं से परे था, क्योंकि यह सभी के लिए सार्वभौमिक था। हालांकि, यह केवल स्वामी विवेकानंद के जादुई शब्द नहीं थे; यह चरित्र, निस्वार्थ परिव्राजक जीवन और तपस्या के वर्ष थे जिन्होंने भारत के प्रति विश्व के दृष्टिकोण को परिवर्तित कर दिया। 1893 में स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण के सार में जाने से पहले, उस युग के ऐतिहासिक संदर्भ को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह 19वीं शताब्दी की बात है जब अंग्रेजों ने भारत को उपनिवेश बनाया हुआ था। वह समय जब पहली बार 1857 के विद्रोह में स्वतंत्रता की भावना दिखाई गई थी, विभिन्न सामाजिक-धार्मिक आंदोलन आकार ले रहे थे और ब्रिटिश सत्ता द्वारा पोषित मैकाले की शिक्षा नीति भारतीय संस्कृति और परंपरा को नीचा दिखाने के संकेत दे रही थी। 1890 में, स्वामी विवेकानंद ने बिना किसी साथी, नाम या समूह के, लेकिन लगातार ईश्वर के स्मरण के साथ अकेले भारत की अपनी ऐतिहासिक यात्रा शुरू की। स्वामीजी ने पूरे भारत की यात्रा की; उनमें से प्रमुख थे राजपूताना, बड़ौदा, पोरबंदर, बॉम्बे, पूना, बैंगलोर, कोचीन, त्रिवेंद्रम और रामेश्वरम। वाराणसी की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने कहा, %मैं जा रहा हूं, लेकिन मैं तब तक वापस नहीं आऊंगा जब तक कि मैं समाज पर बम की तरह फट न सकूं।% इस अवधि में, स्वामीजी ने एक बार कहा था, %मेरे जीवन के अंतिम बारह वर्षों में, मुझे यह नहीं पता था कि अगला भोजन कहां से आएगा।% उन्होंने इस अवधि के दौरान शिकागो में विश्व धर्म संसद के बारे में भी जाना।

भारत की लंबाई और चौड़ाई को कवर करने के बाद, स्वामी विवेकानंद अंततः दिसंबर 1892 में कन्याकुमारी पहुंचे, जहां उन्होंने भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर 3 दिन और रात का ध्यान किया। इस समय, यह भारत का दुख था, जो उनकी आंखों के सामने था, जो हर दूसरे विचार को छोड़कर उनके दिमाग में भर गया था। उन्होंने पाया कि भारत के पतन और गिरावट का मुख्य कारण भारत के आम लोगों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की कमी है। उन्होंने अपने गुरु-भाई को लिखा, %भारतीय चट्टान के अंतिम टुकड़े पर बैठकर, मुझे एक योजना सूझी।% इसके अलावा, स्वामी विवेकानंद लगभग 8000 मील और दो महीने की यात्रा तय करने के बाद, जुलाई 1893 में शिकागो पहुंचे, जब उन्हें यह जानकर झटका लगा कि विश्व धर्म संसद को सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। आश्रय के बारे में कोई सुराग नहीं, पर्स लगभग खाली, रंग भेदभाव और बिना किसी प्रमाण पत्र के, शून्य से नीचे के तापमान के बीच, उन्हें स्टेशन के खाली डिब्बे में सोना पड़ा। हालांकि, भाग्य ने स्वामी विवेकानंद की मदद की, और उन्हें संसद के लिए प्रमाण पत्र मिल गए।इसके अलावा, 11 सितंबर 1893 को, विश्व धर्मों के प्रसिद्ध प्रतिनिधियों के बीच स्वामी विवेकानंद भी थे, मोहित चेहरे के साथ, बिना किसी तैयार भाषण के। जैसे ही उन्होंने देवी सरस्वती को प्रणाम करके और मुश्किल से सीधे शुरुआती शब्द %अमेरिका की बहनों और भाइयों% का उच्चारण किया, सैकड़ों लोग अपनी सीटों पर खड़े हो गए और दो मिनट तक तालियां बजाते रहे। यद्यपि स्वामी विवेकानंद के जोशीले शब्दों और ज्वालामय जीभ ने विश्व को हिलाकर रख दिया, लेकिन चरित्र, तपस्या और साधना के वर्षों ने उन्हें अपनी प्रिय मातृभूमि का संदेश देने के लिए प्रेरित किया।

दिग्विजय दिवस विशेष

स्वामी विवेकानंद ने कहा, %मुझे ऐसे धर्म से संबंधित होने पर गर्व है जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति सिखाई है। हम न केवल सार्वभौमिक सहिष्णुता में विश्वास करते हैं, बल्कि हम सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।% संसद में सभी ने अपने धर्म का प्रचार किया, लेकिन स्वामी विवेकानंद ने सार्वभौमिक धर्म, %मानवता% की बात की। ईसाई धर्म को दुनिया में %एकमात्र सच्चा धर्म% घोषित करने और प्रचार करने के लिए आयोजित संसद, स्वामी विवेकानंद द्वारा प्रस्तुत सनातन धर्म के %समावेशी% दृष्टिकोण से मंत्रमुग्ध थी।उन्होंने कहा, %यदि धर्म संसद ने दुनिया को कुछ दिखाया है, तो वह यह है- इसने दुनिया को साबित कर दिया है कि पवित्रता, शुद्धता और दान दुनिया के किसी भी चर्च की विशेष संपत्ति नहीं हैं, और हर प्रणाली ने सबसे उत्कृष्ट चरित्र वाले पुरुषों और महिलाओं को जन्म दिया है।% सभी प्रतिनिधियों ने अपने धर्म के भाईचारे का दावा किया, लेकिन स्वामी विवेकानंद का मुख्य संदेश %विश्व बंधुत्व% था। स्वामी विवेकानंद ने कहा, %मुझे ऐसे देश से होने पर गर्व है जिसने सभी धर्मों और सभी देशों के सताए गए और शरणार्थियों को शरण दी है।मुझे आपको यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने अपने सीने में उन शुद्धतम इस्राइलियों को इकट्ठा किया है, जो दक्षिण भारत में आए और उसी वर्ष हमारे साथ शरण ली, जिस वर्ष उनके पवित्र मंदिर को रोमन अत्याचार द्वारा टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया था।

मुझे उस धर्म से होने पर गर्व है जिसने भव्य पारसी राष्ट्र के अवशेषों को शरण दी और अभी भी उनका पालन-पोषण कर रहा है।% यह आज भी काफी प्रासंगिक है, क्योंकि जब हमारे पड़ोसियों को जरूरत पड़ी, तो उन्होंने केवल भारत में शरण पाई, चाहे वह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना हों, जिन्हें अपने ही देश से निकाल दिया गया था और उन्हें तुरंत भारत में ही शरण मिली या बहुत पहले 1959 में दलाई लामा थे, जिन्होंने अपने धर्म का पालन करने और उसे बढ़ावा देने के लिए केवल भारत को ही सबसे सुरक्षित स्थान पाया। यह केवल मानवता और अन्य धर्मों के प्रति भारत के समावेशी दृष्टिकोण के कारण ही संभव हो सका।

दूर नहीं, लेकिन हमारे पड़ोसी देशों पर एक नज़र डालें जो एक विशेष धर्म या हठधर्मिता का पालन करते हैं, चाहे वह बांग्लादेश हो, पाकिस्तान हो या अफगानिस्तान, हमें यह विचार देगा कि विशेष दृष्टिकोणों के परिणामस्वरूप केवल लड़ाई, विनाश और मतभेद ही हुए हैं। भारत, विभिन्न धर्मों, विश्वासों और जातियों के मिश्रण वाले 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश ने दुनिया को सिखाया है कि यह धार्मिक भाईचारा नहीं है, बल्कि एक %सार्वभौमिक भाईचारा% है जो सद्भाव, आत्मसात और शांति के लिए आवश्यक है।इसके अलावा, यह सार्वभौमिक भाईचारा समाज के सभी वर्गों के बीच परस्पर सम्मान और स्वीकृति के माध्यम से ही संभव है। इसलिए, दृढ़ विश्वास, अडिग दृढ़ संकल्प और ठोस चरित्र के साथ, भारतमाता का संदेश उस युग में दुनिया को दिया गया जब भारत उपनिवेश था, और देश के आम लोगों ने अपनी संस्कृति और मूल्यों में आत्मविश्वास खो दिया था। स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण न केवल अलंकृत शब्दों का संग्रह था, बल्कि भारत के प्रति विश्व के दृष्टिकोण और दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसने भारतीय समाज में विश्वास को पूरी तरह से बदल दिया और नया रूप दिया। 11 सितम्बर को हमें स्वामी विवेकानंद के भाषण का गहनता से पुनरावलोकन करना चाहिए तथा अपनी विशाल संस्कृति और समृद्ध मूल्यों के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

- साभार

जिपं में स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत हुई बैठक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा 2024 अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता अभियान पर बैठक संपन्न हुई। ज्ञातव्य हो कि शासन द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत स्वच्छता की भागीदारी कार्यक्रम जिसमें जनभागीदारी, जागरूकता और एडवोकेसी की जायेगी, सम्पूर्ण स्वच्छता जिसमें स्वच्छता के लिये साफ सफाई हेतु जगह का चिन्हांकन कर सफाई कराई जाएगी, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें सफाई मित्रों का स्वभाव परीक्षण किया जाएगा एवं सफाई मित्रों को शासन की योजनाओं से पात्रता अनुसार लाभान्वित किया जायेगा। बैठक में जन शिक्षा विभाग, पर्यटन विभाग, खेलकूद विभाग, अभियान परिषद के सदस्यों, स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य, एवं शहर के व्यावसायी सम्मिलित हुये।

शासकीय अस्पताल में एमडी डॉक्टर के लिए मांगा पंद्रह दिन का समय, सुविधाएं देने के आश्वासन पर खत्म हड़ताल

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

शासकीय अस्पताल डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में एमडी डॉक्टर की पदस्थापना, पुलिस चौकी खोलने सहित अन्य मांगों को लेकर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी द्वारा की जा रही भूख हड़ताल प्रशासन द्वारा मिले गए आश्वासनों के बाद खत्म हो गई। प्रशासन ने अस्पताल में प्राथमिक तौर पर नितांत जरूरी सुविधाएं पंद्रह दिन में देने का आश्वासन दिया है और अन्य सुविधाएं प्रक्रियानुसार उपलब्ध कराने की बात कही है। उल्लेखनीय है कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी ने शासकीय अस्पताल में एमडी डॉक्टर नही होने, आईसीयू वार्ड बंद होने, अपराधों की रोकथाम के लिए अस्पताल में पुलिस चौकी खोलने सहित अन्य मुद्दों को लेकर

जयस्तंभ पर भूख हड़ताल शुरू की थी। गुरुवार को भूख हड़ताल पर रहने के चलते तिवारी की सेहत में गिरावट दर्ज हुई थी। उनकी शुगर कम और बीपी बढ़ा हुआ दर्ज किया गया था। इसका खुलासा होने के बाद प्रशासन की ओर एसडीएम टी प्रतीक राव, टीआई गौरव बुंदेला, अस्पताल अधीक्षक डॉ आरके चौधरी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अनशन पर बैठे तिवारी से चर्चा की। एसडीएम ने कहा कि अस्पताल में पुलिस चौकी खुलवा दी गई है जिसमे दो कर्मचारी तैनात रहेंगे। वही पंद्रह दिन में एमडी डॉक्टर की नियुक्ति कराई जायेगी। अस्पताल का आईसीयू भी चालू किया जाएगा। इसके अलावा जो अन्य मांगें शासन स्तर की हैं उन पर प्रक्रिया चालू कर उन्हे भी अस्पताल में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। एसडीएम ने कहा कि कुछ बड़े संस्थान सामाजिक जिम्मेदारी के तहत भी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं उनसे भी चर्चा की जाएगी। प्रशासन से मिले इस आश्वासन के बाद सेवादल यंग ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी ने भूख हड़ताल खत्म करने पर सहमति दी। उन्हें प्रशासनिक अफसरों की मौजूदगी में जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डन पांडे ने जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया।

सिटी मजिस्ट्रेट का पदभार ग्रहण कर रावत ने नर्मदा के जल स्तर का अवलोकन किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के परिपालन में डिप्टी कलेक्टर ब्रजेन्द्र कुमार रावत ने नर्मदापुरम पहुंच कर सिटी मजिस्ट्रेट का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर तहसीलदार ग्रामीण देवशंकर धुर्वे, नायब तहसीलदार श्रीमती सृष्टी डेहरिया ने पुष्पगुच्छ भेंट कर श्री रावत का कार्यालय में स्वागत किया। कार्यभार ग्रहण करते ही सिटी मजिस्ट्रेट श्री रावत ने तहसील कार्यालय का निरीक्षण तथा नर्मदापुरम शहर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होनें सेठानी घाट पहुंच कर बाढ़ आपदा बचाव सहायता केन्द्र का निरीक्षण किया एवं सेठानी घाट के जलस्तर का अवलोकन किया। मौके पर मौजूद जिला होमगार्ड कमांडेंट श्री राजेश जैन एवं जिला होमगार्ड की टीम को सेठानी घाट पर किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए अलर्ट रहने के निर्देश दिये।

वेयर हाउस कर्मचारी संघ ने मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश वेयरहाउस कर्मचारी संघ ने अतिरिक्त प्रबंध संचालक ओपी सोडिया से मुलाकात कर कर्मचारियों की लंबित मांगों के निराकरण को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर कर्मचारी संघ नेता अनिल बाजपेई शकील अकबर भोपाल मुकेश साहू पिपरिया बालकिशन साहू कैलाश खातेगांव प्रदीप राजपूत बानापुरा सुरेंद्र विश्वकर्मा संतोष गुर्जर अल्केश आदि कर्मचारी संघ नेता उपस्थित रहे.

वन परिक्षेत्र की बीटों में हुए बांस बिरहा सफाई घोटाले को आखिर किसका संरक्षण ?

क्या प्रदेश सरकार के वन मंत्री इस और ध्यान देंगे ?

संतोष सिंह चंदेल/सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

इन दिनों वन विभाग के जंगलों में किस प्रकार से जंगल राज चल रहा है जिसे आज ना तो कोई रोकने वाला है ना ही कोई टोकने वाला है और मजाल है कि कोई वरिष्ठ अधिकारी इन पर कार्रवाई कर दें क्योंकि नीचे से ऊपर तक की कमीशन खोरी भ्रष्टाचार पर भारी है हम तो यही समझेंगे ना जानाव की सरे आम हो रहे भ्रष्टाचार में लीपा पोती के लिए जांच कमेटी गठित तो की जाती है बो भी कछुआ चाल से चल रही है वन विभाग के नातेदार और डिप्टी आज भ्रष्टाचार करके शायद यह सोचते होंगे कि जंगल में मोर नाचा किसने देखा लेकिन यह चरितार्थ यहां पर इसलिए गलत है क्योंकि आग लगेगी तो धुआं तो उठना लाजमी है। कुछ सूत्र हमारे भी हैं जो तुम्हे इस भ्रष्टाचार के महा अभियान की राह में अडंगा डालेंगे क्योंकि आप वन संपदा का दोहन करेंगे तो हम दोहन नहीं होने देंगे हमारे खबरी लाल भी आग की तरह जंगल में फैले हुए हैं।अब यह पूरा मामला शीघ्र ही प्रदेश स्तर और प्रदेश सरकार के वन मंत्री के टेबल पर पहुंचने वाला है जिस प्रकार से अधिकारियों द्वारा इस मामले में ध्यान नहीं दिया जा रहा है तो क्या वन मंत्री इस और ध्यान देंगे ?

क्या है पूरा जंगल का यह मामला.....

सिवनी मालवा के वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आम कटरा रेंज के अंतर्गत पढ़ने वाली बीट गीत खेड़ा और आमा कटारा के कक्ष क्रमांक 372 और 374 में सन 2023 और 24 में 44 हजार बांस भीरहा के सफाई का काम आया था। जो लगभग 25 लख रुपए की राशि से या काम होना था

सीसीएफ के आदेश पर बांस भीरहा की सफाई का काम चलना था सफाई पूर्ण कर कर्मचारियों ने और अधिकारियों ने इसका जमकर फायदा उठाया की जंगल में मोर नाचे किसने देखा। लेकिन शायद वह भूल रहे हैं कि अगर आग लगी है तो धुआ तो उठेगा ही मजे वाली बात तो यह है कि इन 44 हजार बांस भिरहा की सफाई का काम बरसों से जमे यहां पर डिप्टी रेंजर और नाकेदारों ने इसमे जमकर भ्रष्टाचारी कर लाखों रुपए की बंदर बांट कर डाली इन 44 हजार बांस भिरहा की जगह पर लगभग चार से पांच हजार ही बांस भिरहो की सफाई का काम हुआ है। सूत्र तो यहां तक बताते हैं कि इन लाखों रुपए की बांस भीरहो की सफाई के काम में श्रमिकों को मात्र 70 से 80 हजार रुपए ही देकर यह पूरा काम करवा लिया। जब इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की गई तो पता चला कि मौका स्थल पर ईतने बांस भिरहों की सफाई का काम हुआ ही नहीं है अब इसमें लाखों रुपए की बंदर बांट कर डाली और यह काम आज भी अधूरा मौके पर पड़ा हुआ है। जिसकी उच्च स्तर जांच लगभग 4 महीने के बाद आज भी अधूरी है। इस भ्रष्टाचार को उजागर न करने के लिए और किसी प्रकार से भी यह मामला नहीं उठे इसमें भी भारी देन लेन हुआ है। जो एक बड़ी जांच का विषय है। जब इस पूरे मामले में हमने जांच अधिकारी सिवनी मालवा वन विभाग के एसडीओ अनिल विश्वकर्मा से बात की तो उन्होंने बताया कि जांच लगभग लगभग पूरी हो चुकी है जांच रिपोर्ट में कुछ दस्तावेज वरिष्ठ कार्यालय से मांगे गए हैं जो प्राप्त होते ही उनका मूल्यांकन कर जांच प्रतिवेदन वरिष्ठ कार्यालय पर प्रेषित की जाएगी।

अब प्रश्न यहां पर इस बात का उठना लाजमी है कि जब 4 महीने से यह जांच चल रही है तो किन-किन जिला स्तर अधिकारियों के निर्देश पर या जांच अटकी पड़ी हुई है आखिर क्यों लाखों रुपए के इस भ्रष्टाचार में डिप्टी रेंजर और नाकेदारों को बचाया जा रहा है यह वही अधिकारी और कर्मचारी हैं जो विगत 8 से 10 सालों से एक ही बीट में जमे हुए हैं जिनके कार्यकाल में कई बार जंगल की अवैध कटाई कर माफिया लाखों रुपए सागोन लकड़ी लेकर फरार हो चुके हैं।

सिवनी मालवा रेंज में 2 करोड़ से अधिक के काम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सिवनी मालवा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली नोनिया बीट में लगभग 56 लाख दाविदा बीट में 20 लाख सहित ढकना,चरखेड़ा, समरदा, पीपलिया, के अलावा अन्य वन ग्रामों में लगभग दो करोड़ से लेकर ढाई करोड़ तक का काम आया हुआ था लेकिन बरसों से जमे डिप्टी रेंजर और नाकेदारों ने इन कामों को किस स्तर तक इस काम को अंजाम दिया है यह भी एक जांच का विषय है।

जंगल में तैनात खबरी लाल की खबर से

अगर जंगल में कुछ भी अवैध गतिविधियों को अंजाम देने की सोच रहे हैं तो आप सावधान हो जाएं,सचेत हो जाएं क्योंकि हमारे खबरीलाल कही जंगल के पेड़ों पर तो नहीं बैठे हैं जो आपको यह काला कारनामा करते हुए कैमरा में कैद तो नहीं कर रहे हैं। आप हमें अब यह मत कहना कि आप लोगों के पास यह खबर कहां से आ जाती है

किसने लिए रेत की ट्राली से 500 रुपए ?

मंगलवार की शाम को लगभग चार से पांच बजे के बीच में लोखर तलाई नदी से टोकन लेकर रेत ट्राली ड़ेखना की ओर जा रही थी इस दौरान वन विभाग के एक साहब ने अपनी वर्दी का रुतबा दिखाते हुए उस ट्रैक्टर ट्राली वाले से पैसे की मांग कर डाली गनीमत यह रही की मामला 500 रुपए में ही निपट गया।

आखिर क्यों हुई वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी में नोक झोक

जंगल में तैनात हमारे सूत्रों की मानी जाए तो अभी कुछ रोज पहले वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में किसी बात को लेकर जमकर नोक झोंक हुई नोक झोक इतनी बढ़ गई की एक बड़े अधिकारियों की डांट फटकार से छोटे अधिकारियों को कुछ दिनों के लिए घर जाना पड़ा। आखिर यह डिप्टी साब अभी वन विभाग के एसडीओ कार्यालय में हुई मीटिंग में सोमवार के दिन शामिल होकर दिखाई दिए।

मेट्रो एंकर — **किशोरावस्था में सही पोषण नहीं मिलने से कमजोर मन कमजोर संतान को जन्म दे सकती**

किचन में ही छुपा है गर्भवती महिलाओं के पोषण का राज, गोद भराई रस्म में दी गईं जानकारियां

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

1 से 30 सितंबर राष्ट्रीय पोषण में अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना सिवनी मालवा के सेक्टर सातवासा के ग्राम खारदा खुटवासा बगवाड़ा सोमलवाडा सतवासा धरम कुंडी मकोडिया रतवाड़ा एवं सोनखेड़ी में माह के द्वितीय मंगलवार के अवसर पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई। ग्राम सोनखेड़ी में उपस्थित महिलाओं को पर्यवेक्षक श्रीमती सुचित्रा राजावत द्वारा बताया गया कि जीवन की प्रत्येक अवस्था एक दूसरे से जुड़ी होती है एक उम्र के पोषण का दूसरी उम्र पर प्रभाव पड़ सकता है जैसे किशोरावस्था में सही पोषण नहीं मिलने से कमजोर मन कमजोर संतान को जन्म दे सकती है। प्रत्येक बच्चे के जीवन चक्र के प्रथम 1000 दिवस बहुत ही महत्वपूर्ण है।

इन दिनों विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है इसमें गर्भकाल के दौरान होने वाली देखभाल 9,30 = 270 दिवस + जन्म से 2 वर्ष तक बच्चों की देखभाल 365 * 2 = 730 दिवस बाल उत्तर जीवित एवं विकास के लिए आवश्यक है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान सामान्य से चौथाई भोजन लिया जाना चाहिए यह भोजन कम खर्चे में भी अधिक

पोषक तत्वों वाला हो सकता है अगर आहार की योजना सोच विचार कर विवेकपूर्ण बनाई जाए तो कम बजट में अधिकतम पोषण प्राप्त किया जा सकता है। जैसे मांसाहार की तुलना में दालें प्रोटीन का सस्ता स्रोत है घरों में छोटे बगीचों में सब्जियां और फल उगाई जा सकते हैं ताकि इन संरक्षण कारी खाद्य पदार्थ की खरीदी पर होने वाला खर्च बच सके अन्न एवं दलों को मिश्रित अनुपात में उपयोग करने से उनकी पौष्टिकता बढ़ जाती है जैसे खिचड़ी मिस्सी रोटी या आटे में बेसन या सोयाबीन का समावेश किया जाना मौसमी एवं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध फलों और सब्जियों का प्रयोग करना मौसम अनुसार पीले नारंगी रंग के फलों जैसे पका आम गाजर कद्दू

पपीता हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक मेंथी मूली की भाजी बथुआ लाल भाजी आदि जिसमें बीटा कैरोटीन कैल्शियम लोह तत्व राइबोफ्लेविन तथा रूक्षांस सही मात्रा में होते हैं खाने के आंवाला सहजन की फली अमरुद हरी मिर्च नींबू टमाटर आदि का प्रयोग करें जिससे विटामिन सी प्राप्त हो सके चीनी की जगह गुड का प्रयोग करें मसाले में राई अजवाइन हींग मेथी का उपयोग किया जाए पोषक तत्वों की रक्षा के लिए खाना ढककर पकाएं समूह खाद्य समूह में सस्ते विकल्पों का चयन करें साधारण विधि अपने जैसे भूनना किण्वन सबूत दालों का अंकुरीकरण मूंग चना आदि इन विधियो से पोषण का मूल्य तो बढ़ता ही है और अन्न जल्दी पचता है।

आहार नली से पोषक तत्वों का अवशोषण जल्दी होता है साथ ही भोजन पकाते समय हमें ध्यान देना चाहिए कि आटा बिना छाने प्रयोग करें सब्जी काटने से पहले धोए सब्जी को बड़े-बड़े टुकड़ों में कटे भोजन को ढककर धीमी आंच पर उतना ही पकाए जितना उसको नरम करने के लिए आवश्यक हो वह सब्जियां जो छिलके के साथ पकाई जाती हैं जैसे आलू तोरी आदि बिना छिलके बिना छीले ही पकाए जो सब्जियां कच्ची खाई जा सकती हैं।

जैसे पत्ता गोभी मूली गाजर शलगम टमाटर ककडी आदि हर सब्जी के हरे पत्ते का उपयोग करें जैसे शलजम गोभी गाजर मूली साथ ही तीन भाग अनाज के साथ एक भाग दाल या बेसन या चने का आटा या मूंगफली या सोयाबीन का उपयोग करें खाने को भाप में पकाए इससे पौष्टिक तत्वों का नुकसान नहीं होगा हां साथ ही हमें ध्यान रखना है कि कोई भी सब्जी दाल चावल उतने ही पानी में पकाया जाए जितना वह वस्तु सोख ले सब्जी का पानी कभी ना फेक खाने वाले सोडे का उपयोग किसी चीज को नरम करने के लिए ना करें खाना बार-बार गर्म करके नहीं खाएं भोजन में चिकनाई और शक्कर का ज्यादा उपयोग न करें।

जिन्हें गांधी सभा भवन का इतिहास नहीं मालूम वे सोशल मीडिया में चला रहे मुंह: पण्डेय

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

गांधी सभा भवन के विषय को कुछ लोगों ने सोशल मीडिया का विषय बना रखा है। जिन लोगों को गांधी सभा भवन के इतिहास के विषय में कुछ नही मालूम है वे लोग सोशल मीडिया पर मुंह चला रहे हैं और कुछ भी लिख रहे हैं। गांधी सभा भवन के ट्रस्ट में कायदे से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के लोगों को पद पर रहना चाहिए मगर यहां तो बाहर के लोग पद पर जमे हुए हैं। हमारी चतुर्वेदी परिवार से बात चल रही है कि वे कांग्रेस पार्टी को भवन सौंप दें क्योंकि कांग्रेस का इस भवन पर पहला अधिकार बनता है। कुछ लोग उसे खुर्द बुर्द करना चाहते हैं।

यह खरी बात जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गुड्डन पांडे ने एक निजी रेस्टोरेंट में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। पत्रकार वार्ता का आयोजन 13 सितंबर को इटारसी में हो रही ट्रेक्टर रैली और प्रदेशस्तरीय नेताओं की आमसभा की रूपरेखा की जानकारी साझा करने किया गया था। पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेशस्तर पर जो आंदोलन शुरू होने जा रहा है उसकी शुरुआत इटारसी से होना एक बड़ी बात है। कांग्रेस पूरी ताकत से इस आयोजन की सफलता के लिए काम कर रही है। पांडे ने बताया कि इस रैली के माध्यम कांग्रेस किसानों की आवाज को बुलंद करेगी। नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल ने कहा कि इस रैली में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादवऔर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह विशेष तौर पर शामिल होने आ रहे हैं।

हल्की बारिश के बीच निकले, राधा अष्टमी पर विमान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को राधा अष्टमी का त्यौहार बड़े ही उत्साहपूर्वक मनाया गया नेमा समाज जनों के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कठली बाजार स्थित राधा रानी मंदिर से पूजा अर्चना के बाद विमान निकाले गए रथ पर विराजमान राधा रानी के रथ को भक्तजन अपने हाथों से खींचते हुए चल रहे थे समाज के लोगों के द्वारा अपनी कला का प्रदर्शनी किया जा रहा था। दोपहर के बाद हल्की बारिश का दौर चल रहा था इस वजह से मौसम भी सुहाना था भक्तजन राधा रानी की भक्ति में लीन होकर झूमते नाचते चल रहे थे। चल समारोह मुख्य बाजार से होते हुए कार्तिक घाट से राधा कुंड पर पहुंच जहां पर विधि विधान से पूजा अर्चना आरती हुई दो दिनों तक यहां पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ संस्कृत कार्यक्रम भी होंगे राधा रानी को छप्पन भोग भी लगाया जाएगा वही राधा अष्टमी के चलते सुबह से ही मंदिर में पूजा का सिलसिला चलता रहा इसके कारण मंदिर में भीड़ रही। वहीं अष्टमी के कारण सभी नेमा समाज जनों की दुकानें बंद थी विमान का जगह-जगह विभिन्न समाज जनों समाज सेवी संगठनों ने भी स्वागत किया। समाज जनों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। नगर पालिका परिषद द्वारा स्थान-टाकीज चौराहा पर पुष्प वर्षा कर एवं श्री राधारानी सरकार की पूजन आरती कर स्वागत किया।

सरपंच पद हेतु मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले की ग्राम पंचायत भदारबडागांव में आज सरपंच पद हेतु ईव्हीएम से मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ है। विदिशा ग्रामीण तहसीलदार श्री अजय पाठक ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार दोनो मतदान केन्द्रो पर मतदान प्रक्रिया सात बजे शुरू हुई। इससे पहले मॉकपोल का प्रदर्शन किया गया था। रिटर्निंग आफीसर एवं विदिशा ग्रामीण तहसीलदार अजय पाठक ने बताया कि ग्राम पंचायत भदारबडागांव में सरपंच पद की निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने हेतु ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में दर्ज कुल 912 मतदाताओं के द्वारा दो मतदान केन्द्रो पर मतदान किया गया है तदानुसार मतदान केन्द्र क्रमांक 161 प्राथमिक शाला भवन भदारबडागांव में कुल 659 मतदाताओं में से 562 ने मतदान किया है जिसमें पुरूष 319 व महिला मतदाता 243 शामिल है। इसी प्रकार मतदान केन्द्र क्रमांक 162 प्राथमिक शाला भवन सन में कुल 253 मतदाताओं में से 203 ने मतदान किया है जिसमें पुरूष 115 तथा महिला मतदाताओं की संख्या 88 शामिल है। इस प्रकार कुल 765 मतदाताओं के द्वारा मतदान केन्द्रो पर पहुंचकर मतदान किया है जिसमें पुरूष 434 व महिला मतदाताओं की संख्या 331 शामिल है।

मोटर वोट से मतदान दल वापिस हुआ - जिले में हुई अचानक वर्षा और जलभराव होने के कारण मतदान केन्द्र क्रमांक 162 प्राथमिक शाला भवन सन के मतदान दल कर्मियों को मतदान समाप्ति के उपरांत मोटर वोट से वापिस लाया गया है।

मतगणना 15 को - ग्राम पंचायत भदारबडागांव में आज सरपंच पद हेतु सम्पन्न हुए मतदान उपरांत मतो की गणना कार्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार रविवार 15 सितम्बर को विदिशा जनपद पंचायत के सभागार में प्रातः आठ बजे से शुरू होगी।

अभी भी प्रतिदिन नहीं हो रही जल सप्लाई, बरसात के बाद भी प्यासे हैं लोग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर वासियों को बरसात के दिनों में भी पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा है। हर दिन नल नहीं आने के कारण कई मोहल्लों में पानी को लेकर परेशानी हो रही है काफी दूर से पानी भी लाना पड़ रहा है बासौदा नाका क्षेत्र में पिछले दो दिनों से नल नहीं आने से लोगों को पाने के लिए परेशान होना पड़ा यहां के रहवासियों को हेड पंप और दूसरी जगह से पानी लगाकर काम चलाना पड़ रहा है । जबकि इस समय बरसात का दौर चल रहा है फिर भी नगर पालिका परिषद के द्वारा प्रतिदिन जल की सप्लाई नहीं की जा रही है । गर्मियों के दिनों में पानी की कमी के कारण एक दिन छोड़कर जल की सप्लाई तथा कुछ जगह दो दिन छोड़कर की सप्लाई की जा रही है। अभी इसमें बदलाव करने का काम नहीं किया गया है इस कारण से बरसात में भी पानी को तरस रहे लोग। नगर पालिका जल विभाग के इंजीनियर रोहित तोमर ने बताया कि अभी पुराने हिसाब से ही जल की सप्लाई नगर में की जा रही है एसडीएम और सीएमओ से बात करके प्रतिदिन जल सप्लाई करने का प्लान तैयार करेंगे।

बुखार उल्टी दस्त के मरीजों की अस्पताल बढ़ी संख्या

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले कुछ दिनों से शासकीय राजीव गांधी अस्पताल से लेकर निजी डॉक्टर और झोलाछाप डॉक्टरों के यहां भी मरीज की संख्या में वृद्धि हो गई है। तेज बुखार से लेकर उल्टी दस्त और सर्दी जुकाम के मरीजों की तादाद बढ़ रही है । इसके पीछे मौसम में हो रहा है बदलाव को बताया जा रहा है। वहीं इस बार का बुखार भी बहुत ज्यादा तेज बताया जा रहा है, काफी देर तक दवा भी असर नहीं कर रही है। बीएमओ विकास सिंह बघेल ने बताया कि मौसम बदलने के साथ बुखार के साथ उल्टी दस्त और सर्दी जुकाम के मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हो रही इस वजह से हमारी ओपीडीवी बढ़ गई है। यहां मौसम में बदलता होने से हो रहा है। बचाव के लिए सभी को सावधानी बरतनी होगी पानी को उबालकर पिए और साफ स्वच्छ भोजन ही करें सफाई पर विशेष ध्यान दें।

गरेंठा सिरोंज मार्ग पर आवारा मवेशी सड़कों पर, आवागमन हो रहा बाधित, होते हैं हादसे

सिरोंज। जनपद पंचायत अंतर्गत गरेठा सिरोंज मार्ग पर बड़ी संख्या में आवारा मवेशी सड़कों पर बैठे हुए हैं। मवेशियों के सड़कों पर होने से आए दिन हादसे होते हैं तो वहीं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। गरेठा पुल से लेकर कोरवासा, भोरिया, धनोदा, आदि ग्रामों में आवारा मवेशियों की संख्या है। अनीरगढ़ ज्यादा निवासी किसान अब्दुल वहाब खान ने बताया कि रात के समय मवेशी दिखते नहीं हैं जिससे कई बार हादसे हो चुके हैं साथ ही वाहन निकाल ने में भी परेशानी होती है। मवेशियों की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने कई बार शिकायत भी की। मामले में एसडीएम हर्षल चौधरी ने कहा की मवेशियों को गौशाला पहुंचाने हेतु पंचायत कर्मचारियों को निर्देश दिए जायेंगे।

दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने किसानों की बढाई चिंताएं

उड़द की फसल पर खतरा, सर्वे के नहीं आए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पानी गिरने के कारण फसलों में नुकसान हो रहा है शासन स्तर से अभी फसलों के सर्वे करने के निर्देश नहीं दिए गए हैं । इस वजह से स्थानीय प्रशासन नुकसान होने के बाद भी किसानों की कोई मदद नहीं कर पाएगा। वहीं जिस समय किसानों को पानी की आवश्यकता थी उस समय तो बरसात नहीं हुई अब बारिश का दौर शुरू हुआ है जो किसानों के लिए नुकसान का कारण भी बनता हुआ नजर आ रहा है। इस समय अधिकांश किसानों की उड़द की फसल पककर तैयार हो गई है कुछ किसानों की फसल काटी भी डाली हुई है उसमें भी पानी गिरने के कारण नुकसान हो रहा है जिन किसानों ने कटाई करवा दी उनकी फसल साढ रही है साथ खड़ फसलों में भी पानी भरने से उसकी कटाई भी कृषक नहीं कर पा रहे हैं पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर बारिश का दौरा निरंतर जा रही है। जबकि जहां शहर में बारिश कम हो रही है वहीं ग्रामीण अंचलों में तेज बारिश होने की जानकारी भी किसानों के द्वारा दी जा रही है। इस वजह से खरीफ फसल नुकसान होने का खतरा बढ़ गया है। दूसरी ओर हर साल किसानों के लिए खरीफ फसल की खेती करना घाटे का सौदा साबित होती है। किसानों का कहना है जब पानी की आवश्यकता होती है तो बरसात होती नहीं है पर जैसे ही फसले आने होती है तो मौसम हमारे विपरीत खड़ा हो जाता है। इस समय बारिश लगातार होने से नुकसान हो रहा है है जिन किसानों ने कम दिन में आने वाला सोयाबीन लगाया है वहां फसल भी पककर तैयार हो गई है कुछ दिनों के बाद उसकी भी कटाई श्री हो जाएगी इस समय खेतों में पानी जमा होने से फसली पीली भी पड़ रही है इस वजह से वहां नष्ट हो जाएगी किसानों ने बताया कि लगातार बारिश होने से खेतों में पानी ही पानी नजर आ रहा है सबसे अधिक नुकसान उड़द की फसल और मूंग की फसल में हो रहा है वह फसल पूरी तरह से पककर तैयार हो गई उसकी कटाई का काम भी कई दिनों से चल रहा है पानी के कारण उसको निकल नहीं पा रहे है बरसात का पानी गिरने से फलियां टूट कर खेतों में गिर रही है। जबकि मौसम विभाग के द्वारा 24 घंटे इसी तरह बरसात होने की चेतावनी दी है यदि ऐसा होता है तो फसलों में ज्यादा नुकसान हो जाएगा।

नगर में नहीं हो रही अच्छी बारिश

शहर में तेज बारिश की आवश्यकता है पर उस तरह की बारिश शहर में नहीं हो रही है दूसरी ओर ग्रामीण अंचलों में अच्छी बारिश दर्ज हो रही है नगरवासी तेज बारिश की प्रार्थना कर रहा है। क्योंकि केथन डेम अभी तक पूरी तरह से भरा नहीं है पानी कम गिरने के ऐसे हालात बने हुए दो दिनों से हो रही बारिश से डैम के जलस्तर में भी वृद्धि हुई है पर जिस तरह की वृद्धि होनी उस तरह की वृद्धि तेज बरसात नहीं होने के कारण नहीं हो रही है। वहीं ग्रामीण अंचलों में तेज बारिश होने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

हर साल होता है नुकसान

खरीफ फसल में अधिकांश किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। जब भी बरसात की आवश्यकता होती है तो बरसात होती नहीं है जैसे ही फसले आने वाली होती है तो बारिश का दौर प्रारंभ हो जाता है, इस कारण से किसानों को फसल को निकालने में किसानों को कड़ी मेहनत के बाद भी कुछ हाथ नहीं लगता है। उनकी फसले उनके सामने ही खराब हो रही है और वहां कुछ नहीं कर पा रहे हैं। उड़द और मूंग की फसल को मुश्किल से कुछ किसान बचा पाते हैं कई किसानों की फसल तो खेतों में पानी होने से गलकर नष्ट हो जाती है है इस बार भी ऐसे ही हालात बनते हुए नजर आ रहे हैं दो दिनों से हो रही बारिश ने तो उड़द की फसल को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। किसान जितेंद्र बघेल ने बताया कि 2 दिनों से उड़द की फसल कटी हुई खेत में पड़ी है पर इसको निकाल नहीं पा रहा है पानी के कारण ऐसा हो रहा है वैसे ही बहुत कम उपज उड़द की निकलती है जितनी निकालने की उम्मीद है वहां भी बरसात जारी रहने से नहीं निकल पाएगी।

इनका कहना है -

2 दिनों से हो रही बारिश के कारण उड़द की फसल पूरी तरह से चौपट हो गई है सोयाबीन की फसल में पानी भरने से नुकसान हो रहा है सरकार एवं प्रशासन को किसानों की कोई चिंता नहीं है तभी तो नुकसान होने के बाद भी फसलों के सर्वे करने के कोई निर्देश नहीं दिए हैं जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो कांग्रेस कृषकों के हित में आंदोलन भी करेगी।

सुरेंद्र रघुवंशी किसान नेता

सभी पटवारी को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए अभी तक कहीं से कोई नुकसान की सूचना नहीं मिली है उड़द की फसल में नुकसान की शिकायत किसानों के द्वारा की जा रही है। शासन से जैसे निर्देश मिलेंगे उस हिसाब से कार्य किया जाएगा।

संजय चौरसिया तहसीलदार

उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन में उद्यमियों एवं सफल कृषकों का किया सम्मान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्र के ग्राम सेऊ के हायर सेकेंडरी स्कूल में स्वदेशी जागरण मंच ने स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन कार्यक्राम का आयोजन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं कृषक उद्यमी कमल सिंह धाकड़, लखन सिंह रघुवंशी, बृजेश चौकसे का शाल श्री फल एवं सम्मान पत्र देकर विद्यालय प्राचार्य पुष्प चौधरी ने सम्मान किया। इस अवसर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सफल कृषक कमल सिंह धाकड़ ने कहा कि कोई भी कार्य बिना लगन और मेहनत के नही हो सकता, कठिन परिश्रम से ही आपको सफलता प्राप्त होती है। एक समय था जब कृषि करना काफी कठिन था, लेकिन आज नई-नई वैरियटयों के साथ कृषि करना उतना ही सरल भी हो गया है। जिस जमीन से कम संसाधनों के कारण मुश्किल से पैसा कमाया जाता था आज सरलता से अधिक मुनाफा मिल रहा है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ जैविक कृषि सहित नई-नई कृषि की खेती पर ध्यान देने की जरूरत है। वही उद्यमी व्यवसाई एवं कृषक ब्रजेश चौकसे ने कहा कि आपको अपने जीवन में पढ़ाई के साथ साथ कौशल विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। स्वयं के रोजगार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। वही कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आए स्वावलंबी भारत अभियान के जिला प्रचार प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने संबोधित करते हुए कहा की समस्त विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ कमाई के बारे में सोचना जरूरी है।

कलेक्टर द्वारा आदेश जारी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक पोस्ट, लाइक, कमेंट और फॉरवर्ड करने पर प्रतिबंध

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में लोक प्रशांति बनाए रखने एवं मानव जीवन तथा आमजन के जान माल की सुरक्षा हेतु आदेश जारी कर विदिशा जिले के संपूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी जाति, समुदाय अथवा धर्म पर आपत्तिजनक अथवा उद्वेलित करने वाली फोटो, चित्र, मैसेज, सांप्रदायिक मैसेज आदि को पोस्ट करने, उनकी फॉरवर्डिंग करने, उन पर कमेंट, क्रॉस कमेंट या फिर लाइक करने की गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रौशन कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट तथा लाईक, कमेंट शेयर आदि को लेकर विभिन्न वर्ग आदि के मध्य विद्वेष तथा तनाव की सम्भावना विद्यमान रहती है। इस प्रकार की घटनायें विभिन्न क्षेत्रों से प्रकाश में आई हैं, जबकि इस प्रकार की सोशल मीडिया गतिविधियों से गंभीर कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई है। आगामी समय में मनाये जाने वाले विभिन्न त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए ऐसी फोटो, पोस्ट व वीडियो प्रसारित करने वाले व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक है। उक्त स्थिति के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला द्वारा कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा लोगो की जान-माल की सुरक्षा एवं जनहित में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिला विदिशा में सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाईन प्लेटफार्म के माध्यम से किसी जाति, समुदाय, अथवा धर्म के विरूद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी करने, ऐसे किसी कंटेट पर लाईक, कमेंट या शेयर करने पर प्रतिबंध लगाया जाना प्रस्तावित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक, विदिशा के प्रस्तावित पत्र से प्रतीत हो रहा है, कि सोशल मीडिया पर कतिपय असामजिक तत्वों, समूहों द्वारा वैमनस्यता की स्थिति निर्मित करने के उद्देश्य रो आपत्तिजनक संदेश एवं चित्रों व वीडियो को पोस्ट की जा सकती है, उक्त स्थिति में वैमनस्यता का संचार तो होगा ही, साथ ही उक्त पोस्ट पर आने वाले कमेन्ट्स एवं क्रास कमेन्ट्स के कारण लोक व्यवस्था एवं सामाजिक शांति भंग होने की पूर्ण संभावना है। उक्त स्थिति में स्पष्ट है, कि फेसबुक पोस्ट एवं उस पर कमेंट, लाइक, व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक साम्प्रदायिक गैसेज एवं उनकी फॉरवर्डिंग, पर साम्प्रदायिक मैसेज आदि से लोकशांति भंग करने में ष्प्रॉक्सिमेट और डायरेक्ट नेक्ससष् रखते हैं। यह आचरण वर्तमान परिवेश में लोक व्यवस्था को भंग कर सकता है। इस आचरण से उपजी प्रतिक्रिया किसी भी व्यक्ति विशेष को अपराध कारित करने के लिए उद्दीप्त कर सकती है।

मेट्रो एंकर

दीपनाखेड़ा में होना था काम, लेकिन दूसरी पंचायत में कर दिए निर्माण

घोटाले की पड़ताल : जनपद उपयंत्री पर मिलीभगत का आरोप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में इन दिनों भ्रष्टाचार चरम पर है, जनपद के अधिकारियों की मिली भगत से सरपंच, सचिव, और रोजगार सहायक लाखों रुपए का भ्रष्टाचार कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला दीपनखेड़ा पंचायत में देखने को मिला है, जहां पर लाखों रुपए के काम सिर्फ कागजों में ही कर दिए गए। हद तो तब हो गई जब जांच में पाया कि ग्राम पंचायत की सीमा के बाहर भी लाखों रुपए के निर्माण कार्य दर्शा दिए गए हैं। ये निर्माण सिर्फ कागजों में ही है और इन कामों के नाम पर लाखों रुपए की राशि जनपद के जिम्मेदारों ने सांठ गांठ कर निकाल ली है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका तो जनपद के जिम्मेदार सहायक उपयंत्रियों की है जिन्होंने जांच पड़ताल के नाम पर कागजी खाना पूर्ति घर बैठे ही कर दी और मोटी रकम पचा गए। ग्रामीणों का आरोप है कि इसको लेकर कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी सुनने को तैयार ही नहीं है, जैसे तैसे जनपद सीईओ स्वयं जांच करने पहुंची सब कुछ भ्रष्टाचार खुलकर सामने आ गया। इसके बाद अब महीनों से करवाई अधर में लटकी दिखाई पड़ रही है। वहीं ग्राम पंचायत दीपनाखेड़ा द्वारा 3 लाख 44 हजार रुपए की लागत से सार्वजनिक शौचालय तो बनाया गया है लेकिन बनने के बाद भी ग्रामीणों को इसका ही लाभ नहीं मिला क्योंकि आधा अधूरा काम होने के कारण और देखरेख के अभाव में स्थिति वद से बदतर दिखाई पड़ रही है। लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद लोगों ने उसका उपयोग ही नहीं किया और आज स्थिति इतनी खराब है कि सार्वजनिक शौचालय खंडर स्थिति में हो गया है।

दूसरी पंचायत में हुए निर्माण कार्यों की हो वसूली दीपनाखेड़ा पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा कई तरह के निर्माण कार्य लाखों रुपए की राशि खर्च कर अपनी सीमा के बाहर जाकर पंचायत में कर दिए गए हैं, जिसमें बोल्डर चेक डैम, तालाब निर्मण एवं खेत तालाब सहित कई निर्माण कार्य हुए हैं अब सवाल उठता है कि यह निर्माण कार्य कुछ हो भी चुके हैं। जिनकी राशि भी निकाल ली गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह राशि अब जांच के बाद वसूल की जानी चाहिए। क्योंकि जनपद पंचायत सीईओ ने जो जांच की है उसमें यह सभी निर्माण कार्य अवैध बताए गए हैं। ऐसे में इसमें जो जो अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे हैं उनसे पूरी वसूली होनी चाहिए ।

तालाव को स्वीकृत कहीं कराया और बनाया दूसरी जगह - खेत तालाब, गेवियन एवं बोल्डर चेक डैम सहित नवीन तालाब निर्माण का कार्य ग्राम पंचायत दीपनाखेड़ा में किया जाना था, लेकिन इनमें से अधिकांश कार्य जनपद उपयंत्र एवं रोजगार सहायक और सरपंच, सचिव ने मिलकर दूसरी पंचायत में ही कागजों में बता दिए। जनपद सीईओ की जांच में एक नवीन तालाब सांकला रोड के पास 19 लाख 85 हजार का स्वीकृत करवाया गया है। जिस पर मस्टररोल जारी कर श्रम के नाम पर कुछ राशि भी निकल गई है। जब सीईओ वंदना शर्मा ने मौका स्थल पर जाकर देखा तो तालाब का 40 प्रतिशत कार्य किया गया है। बाउण्ड्री ग्राम पंचायत जगथर की बाउण्ड्री के अन्दर बनाया जा रहा है। जो कि ग्राम पंचायत जगथर का क्षेत्र है। ऐसे ही परकोलेशन टैंक निर्माण बब्बू के खेत के पास 4 लाख 58 हजार का स्वीकृत किया गया है। जिस पर 2 लाख 30 हजार का मस्टररोल जारी कर श्रम पर व्यय किया गया है। मौका स्थल पर पाया गया, कि परकोलेशन टेंक कार्य ग्राम के नाले पर बनाये गये स्टॉप डेम के पास काम किया गया है। जोकि नाले की प्रकृति के अनुसार उचित नहीं है।

पंकज जैन अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत विदिशा का कहना है कि दीपनाखेड़ा पंचायत का मामला मेरे संज्ञान में नहीं है, यदि जनपद सीईओ की जांच में भ्रष्टाचार संबंधी मामला आया है, तो निश्चित ही कार्रवाई होगी. अभी तक प्रतिवेदन मेरे पास क्यों नहीं आया है मैं इसे गंभीरता से दिखवाता हूं, यदि भ्रष्टाचार हुआ है तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दलीप ट्रॉफी: आज से दूसरे राउंड का मुकाबला आंध्रप्रदेश के अनंतपुर में खेला जाएगा मैच

सरफराज फॉर्म में आने के लिए बांग्लादेश सीरीज से पहले घरेलू मैच खेलने उतरेंगे

नई दिल्ली. एजेंसी

बीसीसीआइ ने हाल ही में 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले के लिए भारतीय टीम घोषित की है। इसमें मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को भी जगह दी गई। लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच से पहले सरफराज खान 12 सितंबर से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के दूसरे राउंड के मुकाबले में खेलने के लिए उतरेंगे। दलीप ट्रॉफी के पहले राउंड में भारतीय टीम के कई खिलाड़ी खेलने उतरे थे, लेकिन बांग्लादेश सीरीज के कारण बीसीसीआइ ने सभी को आराम देने का फैसला किया है। वहीं, सरफराज ने फैसला किया कि वह आराम नहीं करेंगे और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए लय में आने की कोशिश करेंगे।

चेन्नई में पहला टेस्ट : रिपोर्ट के तहत, दलीप ट्रॉफी का दूसरे राउंड का मैच 12 से 15 सितंबर तक आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में खेला जाएगा। इस मैच के बाद सरफराज भारतीय टीम के साथ चेन्नई में जुड़ेंगे, जहां बांग्लादेश के साथ पहला टेस्ट खेला जाएगा।

इन खिलाड़ियों को मिला आराम: शुभमन गिल, लोकेश राहुल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव, आकाशदीप, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, अक्षर पटेल

पहले मैच में फीका रहा था प्रदर्शन

दलीप ट्रॉफी के पहले राउंड के मुकाबले में सरफराज खान का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा था। सरफराज इंडिया-बी टीम में शामिल थे और इंडिया-ए के खिलाफ वह पहली पारी में नौ और दूसरी पारी में 46 रन ही बना सके। हालांकि उनकी टीम इंडिया-बी यह मैच 76 रन से जीतने में सफल रही, लेकिन सरफराज अपने प्रदर्शन से निराश दिखे। इस कारण सरफराज ने फैसला किया कि वह दलीप ट्रॉफी का दूसरा मैच भी खेलेंगे और बड़ा स्कोर बनाकर लय हासिल करने की कोशिश करेंगे।

रिंकू शर्मा को मिला मौका: सीमित ओवरों की क्रिकेट में धूम मचाने वाले उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज रिंकू सिंह को दलीप ट्रॉफी के दूसरे चरण के लिए इंडिया-बी टीम में शामिल किया गया है। ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल दूसरे राउंड में नहीं खेलेंगे, ऐसे में रिंकू सिंह को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है।

पाकिस्तान जैसी नहीं भारतीय टीम, जो बांग्लादेश से हार जाए: गांगुली

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज में मेजबान भारत का पलड़ा भारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की टीम ने भले ही पाकिस्तान को उसी के घर में दो टेस्ट मैच हराकर सीरीज जीती है, लेकिन वो भारत के खिलाफ ऐसा नहीं कर पाएगी। गांगुली ने कहा, भारतीय टीम पाकिस्तान की तरह नहीं है और बांग्लादेश टीम के लिए यहां की परिस्थितियां बिल्कुल अलग तरह की होंगी। भारत एक अलग तरह की टीम है, जिसका घर में बेहतरीन रेकॉर्ड है और यह टीम विदेश में जाकर भी जीत दर्ज करती है। मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश की टीम यहां जीत पाएगी।

पाक टीम में प्रतिभा की कमी: गांगुली ने कहा, मेरा मानना है कि पाकिस्तान टीम में अभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की वास्तव में कमी है। जब भी हम पाक टीम के बारे में सोचते हैं तो हमें वसीम अकरम, मियांदाद, सईद अनवर, मोहम्मद यूसुफ और यूनिस खान जैसे दिग्गज खिलाड़ी याद आते हैं लेकिन अब उसके पास ऐसे दिग्गज खिलाड़ियों की कमी है।

पहला टी-20: ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 28 रन से हराया

हेड ने करन के ओवर में लगातार 6 बाउंड्री मारी, 256.52 का स्ट्राइक-रेट

नईदिल्ली. एजेंसी

ओपनर ट्रेविस हेड की आक्रामक पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 में इंग्लैंड को 28 रन से हराया। इस जीत से कंगारू टीम ने 3 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 13 सितंबर को कार्डिफ के मैदान पर खेला जाएगा। इंग्लिश टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 19.3 ओवर में 179 रन पर ऑलआउट हो गई। 180 रन का टारगेट चेज कर रही मेजबान टीम 19.2 ओवर में 151 रन ही बना सकी। ट्रेविस हेड प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 23 गेंद पर 59 रनों की पारी खेली।

हेड-शॉर्ट की तेज शुरुआत, पावरप्ले की आखिरी बॉल पर विकेट ट्रेविस हेड और मैथ्यू शॉर्ट की ओपनिंग जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया को तेज शुरुआत दिलाई। इस जोड़ी ने पावरप्ले के 6 ओवर में 86 रन बना डाले, हालांकि 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर हेड 23 बॉल पर 59 रन बनाकर आउट भी हुए। उन्हें शाकिब महमूद ने कोक्स के हाथों कैच कराया। आउट होने से पहले हेड ने सैम करन के ओवर से 30 रन लिए। उन्होंने करन के ओवर में लगातार 6 बाउंड्री जमाई। इनमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। मिडिल ओवर में इंग्लैंड का दबदबा, लिविंगस्टोन ने 3 विकेट निकाले पावरप्ले के बाद इंग्लिश ने दबदबा बनाया। यहां टीम ने 4 विकेट निकाले। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श महज 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें पावरप्ले के बाद 7वां ओवर लेकर आए आदिल रशीद ने

बोल्ड कर दिया। फिर लियाम लिविंगस्टोन ने 11वें ओवर में मैथ्यू शॉर्ट को भी पवेलियन भेज दिया। शॉर्ट 41 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें सैम करन ने कैच किया। लिविंगस्टोन ने स्पेल के अगले ओवर में मार्कस स्टोयनिस और टिम डेविड को भी पवेलियन भेजा। स्टोयनिस ने 10 रन बनाए, जबकि डेविड खाता भी नहीं खोल सके। 14 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम का स्कोर 144/5 रहा। इंग्लिश-ग्रीन ने 33 रन जोड़े, स्कोर 179 रन 132 रन के स्कोर पर 5वां विकेट गंवाने के बाद कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस ने ऑस्ट्रेलिया को 179 रन के स्कोर तक पहुंचाया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 25 बॉल पर 33 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से लिविंगस्टोन ने 3 विकेट झटके। वहीं जोफ्रा आर्चर और शाकिब महमूद को 2-2 विकेट मिले।

इंग्लैंड का रन चेज...

इंग्लैंड की खराब शुरुआत, पावरप्ले में 3 विकेट गंवाए 180 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में 46 रन बनाने में तीन विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड को पहला झटका दूसरे ओवर की तीसरी बॉल पर लगा, जब जोश हेजलवुड ने विल जैक्स को मैथ्यू शॉर्ट के हाथों कैच कराया। फिर 5वें ओवर में जेवियर बर्टलेट ने जॉर्डन कॉक्स और सीन अबॉर्ट ने छठे ओवर की आखिरी बॉल पर फिल सॉल्ट आउट हुए। कॉक्स 17 और सॉल्ट 20 रन बनाकर आउट हुए। पावरप्ले के बाद 8वें ओवर में जैकब बेथेल भी आउट 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जम्बा ने बोल्ड किया। लिविंगस्टोन-करन ने संभाली पारी, दोनों में फिफ्टी पार्टनरशिप 52 पर 4 विकेट गंवाने के बाद लियम लिविंगस्टोन और सैम करन ने इंग्लिश पारी को संभाला और स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। दोनों ने 5वें विकेट के लिए 31 बॉल पर 54 रन की पार्टनरशिप की। 13वें ओवर में सैम करन 18 और 14वें ओवर में लिविंगस्टोन 37 रन बनाकर आउट हुए। वे टीम के टॉप स्कोरर रहे। लिविंगस्टोन को हेजलवुड ने बोल्ड किया, जबकि करन को अबॉर्ट ने जम्पा के हाथों कैच कराया। इंग्लैंड का मिडिल ऑर्डर फेल, ओवरटन 15 रन बना सके लिविंगस्टोन-करन के आउट होने के बाद इंग्लिश टीम का लोअर मिडिल ऑर्डर रन नहीं बना सका।

पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड टेस्ट टीम का ऐलान

ब्रायडन कार्स और जॉर्डन कॉक्स को पहली बार मौका, जैक लीच व रेहान की वापसी

नईदिल्ली. एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ अगले महीने खेले जाने वाले टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान हो गया है। तीन मैचों की इस सीरीज के लिए इंग्लैंड बोर्ड ने 17 सदस्यी टीम का ऐलान किया। ब्रायडन कार्स और जॉर्डन कॉक्स को पहली बार इटरनेशनल टीम में मौका मिला है। वहीं, रेहान अहमद और जैक लीच की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। लीच और रेहान ने अपना आखिरी टेस्ट इसी साल जनवरी-फरवरी में भारत के खिलाफ खेला था। इंग्लैंड का पाकिस्तान दौरा 7 अक्टूबर से शुरु होगा। पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड टीम बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, जैक लीच, जो रूट, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जैक क्राउली, बेन डकेट, जोश हल, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जैमी स्मिथ, ओली और क्रिस वोक्स। इंग्लैंड ने श्रीलंका को 2-1 से हराया इंग्लैंड ने हाल ही में खत्म हुए टेस्ट सीरीज में श्रीलंका को 2-1 से हराया था। पहला

मैच मैनचेस्टर में खेला गया था, जो इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीता था। सीरीज का दूसरा मुकाबला लॉर्ड्स में खेला गया था, यह मैच इंग्लैंड 190 रन से जीता था। तीसरा मैच श्रीलंका 8 विकेट से जीता था। इस साल इंग्लैंड की सीरीज इंग्लैंड को अक्टूबर में पाकिस्तान के बाद दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। अगले साल की शुरुआत में इंग्लैंड टीम भारत का दौरा करेगी। तब तक मार्क वुड के फिट होने की संभावना है। 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी खेली जानी है।

महिला टी-20 विश्व कप: न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, डिवाइन होंगी कप्तान

वेलिंगटन. एजेंसी

न्यूजीलैंड ने महिला टी-20 विश्व कप के लिए कप्तान सोफी डिवाइन की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। यह नौवीं बार होगा जब सोफी तथा सूजी बेट्स इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज इजी गेज का यह पहला टी-20 विश्व कप है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, मैं इस टीम से वास्तव में खुश हूं मुझे लगता है कि ये हमारी सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी हैं जो संभावित रूप से विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल ढल सकती हैं। **टीम में** सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, इजी गेज, मैडी ग्रीन, फ्रान जोनास, ब्रुक हॉलिडे, लेघ कास्पेरेक, अमेलिया केर, जेस केर, रोजमेरी मैयर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया, ली ताहुहू और हन्ना रोवे रहेंगी।

तैराकी: हशिका ने 13 साल पुराना रेकॉर्ड तोड़ा

मेंगलूरु. एजेंसी

कर्नाटक की हशिका रामचंद्र ने 77वीं सीनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में महिलाओं के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग में 13 साल पुराना राष्ट्रीय रेकॉर्ड तोड़ दिया। हशिका ने झारखंड की रिचा मिश्रा का 4:25.76 मिनट का रेकॉर्ड तोड़ते हुए चार मिनट 24.70 सेकंड का समय निकाला। पुरुषों के 400 मी.में कर्नाटक के अनीश एस गौड़ा ने 3:56.59 मिनट के साथ जीता। सुरेश ने पुरुषों के 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में 2:18.85 मिनट के साथ स्वर्ण पदक जीता।

मेट्रो बाजार

म्यूचुअल फंड: एसआइपी से रेकॉर्ड 23,547 करोड़ निवेश

मुंबई. एजेंसी

शेयर बाजार में भारी उठापटक और स्मॉल-मिडकैप शेयरों का वैल्यूएशन काफी ऊंचा होने से निवेशकों ने अगस्त में लार्जकैप फंड्स में जमकर निवेश किया। जुलाई में लार्जकैप फंड्स में केवल 670 करोड़ रुपए का निवेश आया था, जो अगस्त में 293 फीसदी बढ़कर 2636 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

हालांकि पिछले महीने भी सेक्टोरल फंड्स में सबसे अधिक 18,111 करोड़ रुपए का निवेश आया, जिससे इक्विटी फंड्स में निवेश अगस्त में 3त्न बढ़कर 38,239 करोड़ रुपए रहा, जो जुलाई में 37,113 करोड़ रहा था। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम बढ़कर 66.7 लाख करोड़ रुपए हो गया। एसआइपी से अगस्त में रेकॉर्ड 23,547 करोड़ रुपए निवेश हुआ। गोल्ड की कीमतें इस साल 18 फीसदी बढ़ने से गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश हुआ। निवेशकों ने अगस्त में गोल्ड ईटीएफ में 1611 करोड़ रुपए निवेश किया, जो किसी एक माह में अब तक का सबसे ज्यादा निवेश है।

विश्व में सबसे ज्यादा नौकरी देगा भारत!

नई दिल्ली. एजेंसी

दुनियाभर में भारत अक्टूबर से दिसंबर के बीच सबसे ज्यादा नौकरियां पैदा कर सकता है। मैनपावर ग्रुप के एम्प्लॉयमेंट आउटलुक सर्वे के मुताबिक, दिसंबर तिमाही में वैश्विक स्तर पर भारतीय कॉरपोरेट जगत में नियुक्ति की धारणा सबसे मजबूत है। भारतीय कंपनियां देश की आर्थिक स्थिति को लेकर उत्साहित हैं और 37 फीसदी नियोक्ता अक्टूबर से दिसंबर के बीच अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। देश में सबसे अधिक हायरिंग करने के मूड में फाइनेंस व रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनियां हैं। इन दोनों क्षेत्रों की 47 फीसदी कंपनियां हायरिंग करने की तैयारी में हैं। साथ ही आइटी सेक्टर की 46 फीसदी कंपनियां भी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने को लेकर आश्वस्त हैं। मैनपावर ग्रुप के रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के बाद कोस्टा रिका 36 प्रतिशत शुद्ध रोजगार परिदृश्य के साथ दुनियाभर में दूसरे और अमरीका 34 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है। अगली तिमाही में सिंगापुर, चीन, ब्रिटेन, नीदरलैंड, ब्रीजल सहित कई अन्य देशों की कंपनियां भी हायरिंग करने की तैयारी में है।

बेहतर मांग से प्याज के दाम बढ़े

इंदौर. एजेंसी

देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी थोक मंडी में बेहतर मांग व आवक कम हो जाने से प्याज के भाव फिर बढ़ चले। सूत्रों का कहना है कि प्याज में आगे और तेजी आ सकती है। उधर चीन से लहसुन के इंपोर्ट को रोकने की मांग को लेकर किसान व व्यापारियों ने मंडी बंद रखी। वहीं आलू के भाव स्थिर रहे। मंडी में कुल प्याज की 60 हजार व आलू की 8 हजार बोरी आवक हुई। आलू बेस्ट 2200 से 2400, मीडियम 1800 से 2100, प्याज सुपर 3500 से 3800, एवरेज 3500 क्विंटल बिका।

सोया रिफाइंड तेल के दाम बढ़े

विदेशी बाजारों में आई तेजी से सोया रिफाइंड तेल की कीमतों में उछाल आया। सरसों की देश में कुल 3 लाख बोरी आवक हुई। देश की मंडियों में 1.35 लाख बोरी सोयाबीन की आवक बताई गई।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

रश्मिका का हुआ एक्सीडेंट, रिकवरी पीरियड में फैंस को दिया अपडेट, कहा- अब मैं ठीक हूं

गीता गोविंदा, एनिमल जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहीं रश्मिका मंदाना का हाल ही में माइनर एक्सीडेंट हुआ है। एक्सीडेंट के बाद रिकवरी के लिए एक्ट्रेस बीते लंबे समय से डॉक्टर्स की सलाह पर घर में ही थीं। अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को अपनी हेल्थ अपडेट दी है। रश्मिका मंदाना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, हैलो, आप सब कैसे हैं। मैं जानती हूं कि मुझे यहां आए और पब्लिक में गए काफी टाइम हो गया है। मेरे लंबे समय से एक्टिव न होने का कारण मेरा एक्सीडेंट है। (छोटा सा एक्सीडेंट)। मेरी रिकवरी चल रही थी और डॉक्टर की सलाह पर मैं घर में ही थी। आगे एक्ट्रेस ने लिखा है, अब मैं ठीक हूं और सचेत रहने के लिए मैं अपनी एक्टिविटीज के लिए सूपर एक्टिव होने के फेज में हूं। अपना ख्याल रखते हुए हमेशा खुद को प्रायोरिटी बनाइए। क्योंकि जिंदगी बेहद नाजुक और छोटी है और हम नहीं जानते कि हम कल हैं या नहीं इसलिए हर दिन खुशियां चुनिए। एक और अपडेट ये है कि मैं बहुत सारे लड्डू खा रही हूं। बताते चलें कि रश्मिका मंदाना की आखिरी रिलीज हुई फिल्म साल 2023 की ब्लॉकबस्टर हिट एनिमल थी। जल्द ही वो 6 बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इन दिनों एक्ट्रेस 2021 की सुपरहिट फिल्म पुष्पा: द राइज की सीक्वल फिल्म पुष्पा: द रूल की शूटिंग में व्यस्त हैं।

फिर से 'रेड' डालने आ रहे अजय, इंतजार हुआ खत्म!

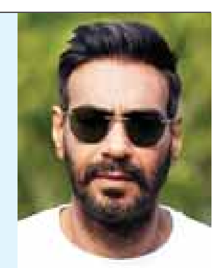

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रेड 2' की रिलीज तारीख सामने आ गई है। फिल्म की घोषणा होने के बाद से ही प्रशंसक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

बुधवार को निर्माताओं ने इसके रिलीज तारीख की घोषणा करते हुए उनकी उत्सुकता को दोगुना कर दिया है। यह फिल्म साल 2018 में आई 'रेड' का सीक्वल है, जिसमें अजय देवगन ने एक आईआरएस अधिकारी की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को पहले 15 नवंबर को रिलीज किया जाना था। बॉलीवुड स्टूडियो टी-सीरीज ने अपने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए एक पोस्ट जारी किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, एक्शन तीव्रता और रहस्य को वापस लेकर आ रहे हैं। 'रेड 2' 21 फरवरी 2025 को रिलीज होगी!' अजय देवगन की आगामी फिल्म 'रेड 2' आयकर विभाग के गुमनाम नायकों की कहानी बताएगी। उनकी किताबों से सच्ची घटनाएं सामने लाएगी। अजय देवगन के अलावा इस फिल्म में वाणी कपूर और रजत कपूर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

•फिल्म 'कमाल और मीना' का हुआ एलान

परदे पर आ रही है कमाल अमरोही और मीना कुमारी की लव स्टोरी

मीना कुमारी और कमाल अमरोही! सिनेमा जगत की इस चर्चित जोड़ी की मोहब्बत के किस्से आज भी चाव से सुने और सुनाए जाते हैं। इनकी प्रेम कहानी अब परदे पर आ रही है। फिल्म 'कमाल और मीना' का एलान हो गया है। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ पी मल्होत्रा करने वाले हैं, जिन्होंने हाल ही में फिल्म 'महाराज' के निर्देशन की कमान संभाली। सारेगामा इंडिया लिमिटेड और लॉयन हार्ट सिनेमा मिलकर यह फिल्म बनाएंगे। मीना कुमारी और कमाल अमरोही की लव स्टोरी फिल्म का एलान आज सारेगामा ने एक्स पोस्ट से एक वीडियो साझा करके की है। इसके साथ लिखा है, 'एक सपना, जिसने मरने से इनकार कर दिया... वह मोहब्बत जिसका साथ कब्रिस्तान तक रहा'। बता दें कमाल अमरोही को निधन के बाद उसी कब्रिस्तान में दफनाया गया था, जहां मीना कुमारी की कब्र थी। संजय दत्त ने भी इस फिल्म की एनाउंसमेंट वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा की है। उन्होंने लिखा है, प्यारे सची और बिलाल, आपके नए वेंचर के लिए शुभकामनाएं। ये फिल्म सफल रहे। इस फिल्म का इंतजार है। बता दें कि बिलाल अमरोही, जो कि कमाल अमरोही के पोते हैं। उनकी शादी संजय दत्त की बहन नम्रता दत्त की बेटी सची से हुई है। कहा जा रहा है कि कमाल और मीना फिल्म में कमाल अमरोही और मीना कुमारी की 20 साल की यात्रा परदे पर दिखाई जाएगी। मीना कुमारी जब कमाल अमरोही से पहली बार मिली थीं, तब वह 18 साल की थीं और उस मुलाकात का किस्सा भी फिल्म का अहम हिस्सा होगा।

•एक्टर ने अभिनेत्री को पेशेवर बताया

अनन्या के साथ 'कॉल मी बे' के बाद 'सीटीआरएल' में नजर आएंगे विहान

अनन्या पांडे इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उन्होंने हाल में ही 'कॉल मी बे' से अपना ओटीटी डेब्यू किया है। इस सीरीज में एक अरबपति पिता की बेटी के किरदार में नजर आई हैं, जिसे घर से निकाल दिया जाता है और फिर वह अपने अस्तित्व की तलाश करती है। इसके बाद वह अपनी आगामी फिल्म 'सीटीआरएल' में नजर आएंगी। इस दोनों ही प्रोजेक्ट में एक चीज कॉमन है, वो हैं उनके सह-कलाकार विहान समत। विहान समत कॉल मी बे के बाद सीटीआरएल में भी अनन्या पांडे के साथ नजर आएंगे। हाल में ही विहान ने अभिनेत्री की तारीफ करते हुए उन्हें पूरी तरह पेशेवर बताया है। विहान समत जल्द ही विक्रमादित्य मोटवानी की साइबर थ्रिलर सीटीआरएल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह एक बार फिर से अनन्या पांडे के साथ काम करते दिखेंगे। अभिनेता ने इसे लेकर कहा,फ्रमैंने अनन्या के साथ सीटीआरएल की शूटिंग की थी और फिर हम कॉल मी बे में भी साथ में जुड़े, लेकिन कॉल मी बे बिल्कुल अलग गेम था। इसलिए, हमें रीसेट करना पड़ा। अनन्या पेशेवर कलाकार हैं और उनके साथ काम करना काफी आसान है। वह अपने अभिनय को लेकर पूरी तरह से तैयार होकर आई थीं। विक्रमादित्य मोटवानी एक मशहूर और सम्मानित निर्देशक हैं। उनकी फिल्मों में काम करना किसी भी कलाकार के लिए एक बड़ा सपना होता है। बॉलीवुड में डेब्यू के चार साल के अंदर ही उनके साथ काम करना किसी भी कलाकार के लिए बड़ी बात है।

आधे घंटे में घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद इलाके में आधे घंटे के भीतर घर के बाहर खड़ी एक युवक की बाइक चोरी चली गई। इसी इलाके एक अन्य बाइक बदमाश चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक देवेंद्र मीणा (27) अहीर मोहल्ला, बरखेड़ी जहांगीराबाद में रहते हैं और एमआर का काम करते हैं। गत दिवस पर काम से लंच करने के लिए घर लौटे थे। उन्होंने अपनी बाइक घर के सामने खड़ी की और लंच करने के लिए अंदर चले गए। करीब आधे घंटे बाद बाहर निकले तो उनकी बाइक गायब हो चुकी थी। आसपास तलाश करने पर भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार माता मोहल्ला बरखेड़ी में रहने वाले विशाल यादव के घर के सामने खड़ी स्कूटर चोरी चली गई। बदमाशों ने रात के समय उनकी स्कूटर चोरी की थी। इधर कमला नगर थानांतर्गत नया बसेरा कोटरा से विजय कासेद की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में मनोरिया अस्पताल के पास कार की टक्कर से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिर में गंभीर चोट होने के कारण एक महीने से अधिक इलाज चला, पर उसकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार श्रीपाल हरियाले (45) बंजारी दशहरा मैदान कोलार रोड पर रहते थे। 3 अगस्त को वह स्कूटर से जा रहे थे, तभी चूनाभट्टी इलाके में एक कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। राहगीरों ने श्रीपाल को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, वहां से परिजन उन्हें अस्पताल चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। एक महीने से अधिक समय तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद बुधवार दोपहर श्रीपाल की मौत हो गई।

तालाब से बरामद हुआ युवक का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्यामला हिल्स थाना पुलिस ने रवींद्र भवन के सामने छोटे तालाब से एक युवक की लाश बरामद की। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक बुधवार की शाम करीब चार बजे एक आटो चालक रवींद्र भवन के पास छोटे तालाब किनारे खड़ा हुआ था। इसी बीच उसकी नजर पड़ी तो बाणगंगा की तरफ से आने वाले नाले में छोटे तालाब में एक युवक का शव पड़ा नजर आया। इस पर उसने पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक की उम्र करीब चालीस साल के आसपास बताई गई है।

पुराने विवाद पर युवक को छुरी मारी

भोपाल। ऐशबाग इलाके में पुराने विवाद को लेकर एक युवक चार लड़कों ने छुरी मारकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक शंकराचार्य नगर में रहने वाला तरुण कुशवाह (24) प्रायवेट काम करता है। पिछले दिनों डीजे पर डांस को लेकर उसका निशांत नामक युवक से विवाद हो गया था। दस सितंबर की रात करीब सवा बारह बजे तरुण अपने भाई और दोस्त के साथ चाय पीने के लिए चाणक्यपुरी चौराहा ऐशबाग पहुंचा था। इसी बीच निशांत ने अपने दोस्तों फरदीन, अभय और रोहित के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी और छुरी से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने के दौरान भाई और दोस्त को भी छुरी लगी है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

टक्कर मारने के बाद अधिवक्ता से बदसलूकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा इलाके में एक आटो चालक ने अधिवक्ता की बाइक को टक्कर मार दी। अधिवक्ता ने जब उसे ठीक से वाहन चलाने की समझाइश दी तो चालक ने उनके साथ बदसलूकी कर दी। पुलिस के अनुसार विजय शर्मा (29) लालघाटी कोहेफिजा में रहते थे और अधिवक्ता हैं। मंगलवार रात करीब 9 बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे। नेचर पार्क के पास आटो चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत कीचड़ में गिर पड़े। विजय ने आटो चालक को समझाने का प्रयास किया तो उसने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए बदसलूकी कर दी। पुलिस ने विजय की रिपोर्ट पर आरोपी आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बुजुर्ग व्यक्ति की अटैक से मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर में रहने वाले एक बुजुर्ग व्यक्ति की अटैक आने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक हेमराज (74) भेल कारखाने के रिटायर्ड कर्मचारी थे और रायल कम्फर्ट अयोध्या नगर में रहते थे। मंगलवार देर रात बाथरूम जाते समय चक्कर खाकर गिर पड़े थे। परिजन उन्हें इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण अटैक आना बताया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

बदमाश से 1 लाख 30 हजार का मोबाइल बरामद

काउंटर से मोबाइल फोन चुराने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हनुमानगंज स्थित एक दुकान के काउंटर में हाथ डालकर 1 लाख 30 हजार रुपये कीमत का मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा गंभीर अपराध पहले से दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार कमल अहिरवार (42) शंकर नगर बरखेड़ा पठानी गोविंदपुरा में रहते हैं और मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाते हैं। पिछले महीने 17 अगस्त को वह सामान खरीदने के लिए चैतन्य मार्केट स्थित अपने दोस्त की दुकान पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपना सैमसंग कंपनी का एस-24 अल्ट्रा ग्रे कलर का मोबाइल फोन जेब से निकालकर दुकान के काउंटर पर रख दिया था। कुछ देर बाद वह काम करने लगे, तभी अज्ञात व्यक्ति ने काउंटर में हाथ डालकर उनका 1 लाख 30 हजार रुपए का मोबाइल चोरी कर लिया था। सीसीटीवी कैमरे में संदेही युवक कैद हुआ था, जिसके आधार पर पुलिस बदमाश की तलाश कर रही थी।

समानांतर रोड से पकड़ाया आरोपी

मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली कि एक लड़का रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म क्रमांक-6 के सामने खड़ा है और कीमती मोबाइल सस्ते दामों पर बेचने का प्रयास कर रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि वह लड़का समानांतर रोड की तरफ गया है। पुलिस समानांतर रोड स्थित पान मंडी के पास पहुंची तो बताए गए हुलिए का लड़का मिल गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम प्रदीप यादव (24) निवासी महावीरपुरा थाना जहांगीराबाद, हाल पता मंडी गेट के सामने थाना छोलामंदिर बताया। तलाशी लेने पर उसके बाद एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने उक्त मोबाइल चैतन्य मार्केट स्थित एक दुकान के काउंटर से चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पहले से दर्ज हैं एक दर्जन अपराध पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत करीब एक दर्जन अपराध पहले से दर्ज हैं।

अमरकंटक एक्सप्रेस में महिला का पर्स चोरी, यात्रियों के मोबाइल ले गए बदमाश

भोपाल। अमरकंटक एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला का पर्स चोरी हो गया। पर्स में मोबाइल फोन और नकदी समेत हजारों रुपये कीमत का सामान रखा हुआ था। जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कोरबा छत्तीसगढ़ निवासी कविता दास अमरकंटक एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में अपनी बेटी के साथ कोरबा से भोपाल की यात्रा कर रही थी। इटारसी रेलवे स्टेशन के पास उन्होंने अपनी बेटी से मोबाइल लेकर पर्स में रख लिया और सीट पर सो गई। भोपाल स्टेशन पर उतरने के दौरान पता चला कि उनका पर्स गायब है। पर्स में 18 हजार रुपए का मोबाइल, 5 हजार रुपए की नकदी समेत अन्य जरूरी दस्तावेज रखे हुए थे। बाद में उन्होंने जीआरपी पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर सतना निवासी पंकज सिंह अपने दोस्त के साथ रीवा से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद उन्हें ध्यान आया कि मोबाइल फोन सीट पर रह गया है। वह दौड़कर प्लेटफार्म पर पहुंचे तो ट्रेन जा चुकी थी। उसके बाद भोपाल स्टेशन पहुंचकर अपनी सीट चैक की तो उनका मोबाइल चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 40 हजार रुपए बताई गई है। युवक की जेब से मोबाइल चोरी विदिशा निवासी विष्णु धाकड़ इंदौर जाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। ट्रेन नहीं मिलने के कारण वह प्लेटफार्म क्रमांक एक पर बीना छोर की तरफ जाकर सो गए। इसी दौरान किसी ने उनकी पैंट की जेब में रखा मोबाइल चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 14 हजार रुपये बताई गई है। इसी प्रकार प्रयागराज उत्तर प्रदेश निवासी अमरदयाल उपाध्याय (60) मालदा टाउन नई दिल्ली एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर उनका बैग चोरी हो गया। बैग में इस्तेमाली कपड़े और अन्य सामान रखा हुआ था। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काम से लौटे युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित पीसी नगर मल्टी में बुधवार शाम एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रतीक धुर्वे पिता श्यामलाल धुर्वे (30) पीसी नगर झुग्गी में फर्स्ट फ्लोर पर रहता था और प्राइवेट काम करता था। ग्राउंड फ्लोर पर उसके भाई का फ्लैट है। परिवार दोनों फ्लैट में रहता है। बुधवार सुबह प्रतीक काम पर गया था। शाम को साढ़े चार बजे के आसपास लौटा। इस दौरान परिवार के सभी सदस्य नीचे वाले फ्लैट पर थे। प्रतीक ने खाना खाया और ऊपर वाले फ्लैट पर चला गया। कुछ देर बाद मां पहुंची तो प्रतीक दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटके नजर आया। परिजन उसे फंदे से उतारकर जय प्रकाश अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

आत्महत्या रोकने के लिए काउंसलिंग जरूरी

भोपाल। भारत में आत्महत्या एक गंभीर समस्या है, जिसके पीछे मानसिक स्वास्थ्य, आर्थिक तंगी और सामाजिक दबाव जैसे कई कारण होते हैं। आत्महत्या पर चर्चा अभी भी भारतीय समाज में वर्जित मानी जाती है, जिससे इसे रोकने के प्रयास सीमित रह जाते हैं। हर साल विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आत्महत्या के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मदद के लिए संसाधन उपलब्ध कराना है। यह बात मनोचिकित्सक डॉ सत्यकांत त्रिवेदी ने बीएसएस कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में मुय वक्ता के रूप में कही। उन्होंने कहा समुदाय और सरकार के सहयोग से काउंसलिंग, हेल्पलाइन जैसी सेवाओं को बढ़ावा देना आवश्यक है।

हम होंगे कामयाब को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार महिला अपराधों की रोकथाम को लेकर पहल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश की महिला सुरक्षा शाखा द्वारा महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम, व्यापक जागरूकता तथा पीड़िताओं के पुनर्वास के लिए चलाया गया नवाचार, हम होंगे कामयाब को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। पिछले दिनों हैदराबाद में तेलंगाना पुलिस महिला सुरक्षा विंग द्वारा आयोजित नेशनल टेक्निकल कंसलटेशन समारोह में इस नवाचार को अर्वाड ट्रॉफी प्रदान की गई। मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से एसएसपी किरणलता केरकट्टा ने यह अवार्ड प्राप्त किया। डीजीपी सुधीर सक्सेना से महिला सुरक्षा शाखा की स्पेशल डीजी प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, आईजी हिमानी खन्ना, यूएन वूमन के स्टेट प्रतिनिधि, महिला बाल विकास विभाग सहित अन्य सहभागी संस्थान के प्रतिनिधियों ने भेंट कर ट्रॉफी सौंपी. डीजीपी ने इस नवाचार की सराहना करते हुए प्रदेश में महिला सुरक्षा को और भी सुदृढ़ करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। हम होंगे कामयाब अवधारणा महिला सुरक्षा शाखा ने प्रदेश में महिला अपराधों को रोकने जिसमें मानव तस्करी भी शामिल है, महिला जागरूकता, महिला विकास तथा पीड़िताओं के पुनर्वास के लिए एक समन्वित प्रयास जिसमें शासन के अन्य विभाग जैसे महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण आजीविका मिशन, पर्यटन, श्रम एवं पंचायत विभाग तथा एनजीओ शामिल हैं, के माध्यम से 3पी थ्यौरी जिसमें प्रिवेंशन, प्रोटेक्शन एवं प्रोशिक्यूशन पर पूरा ध्यान केन्द्रित किया गया। इस उद्देश्य से पुलिस के साथ-साथ वे सभी विभाग जो इन अपराधों की रोकथाम, नियंत्रण, अभियोजन एवं पुनर्वास के लिए जिम्मेदार हैं, हम होंगे कामयाब मंच के अंतर्गत एक दिशा में कार्य कर रहे हैं। इंदौर और उज्जैन से हुई शुरूआत हम होंगे कामयाब के तहत इंदौर एवं उज्जैन रेंज के सात थानों में महिला उर्जा डेस्क के साथ सभी स्टेक होल्डर इस दिशा में समन्वित प्रयास कर रहे हैं। अभी तक 150 पीड़िताओं को चिन्हित कर उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग की गई है। इन्हें आवश्यकता होने पर आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इनका पुनर्वास हो सके। इसी कड़ी को धीरे-धीरे अन्य विभागों से जोड़ने की योजना है। इसी मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

मेट्रो एंकर | **डीजीपी ने विसर्जन स्थलों पर विशेष सतर्कता रखने के दिए निर्देश**

त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रहें मुस्तैद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश में गणेश उत्सव, डोल ग्यारस, ईद मिलादुन्नबी, अनंत चतुर्दशी आदि पर्वों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे, इसके लिए डीजीपी सुधीर सक्सेना ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि त्यौहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए गंभीरता से योजना तैयार करें। अपने क्षेत्रों की सतत निगरानी करते रहें।

बैठक में समस्त एडीजी/आईजी, भोपाल एवं इंदौर के पुलिस कमिश्नर, रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षक व उपायुक्त शामिल हुए। इस बैठक में एडीजी इंटेलिजेंस जयदीप प्रसाद

सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। डीजीपी सक्सेना ने कहा कि प्रदेश में आगामी पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए हमें तैयार रहना है। त्यौहारों में नागरिक उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत पुलिस की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जिलों को अतिरिक्त बल उपलब्ध करा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक पूरे बल की गहन समीक्षा कर सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थलों पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें।

बीट स्तर पर करें काम

उन्होंने कहा कि जिला एवं थाना स्तर के अलावा आवश्यकतानुसार बीट्स, मोहल्ला पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बीट स्तर की इंटेलीजेंस को अत्यधिक सक्रिय रखें। अन्य विभागों से करें समन्वय डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। अन्य विभागों से भी समन्वय बनाकर रखें। नागरिकों को समझाइश दें कि बिजली के खंभों, तारों आदि से दूर रहें। प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान घाटों पर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। आपदा प्रबंधन के लिए गोताखोर और नौका दलों के साथ-साथ आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसी तरह गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों से समन्वय कर उन्हें वॉलंटियर्स बनाएं।

निर्धारित मार्ग से जुड़ने वाले रास्तों पर रखे ध्यान

ईद मिलादुन्नबी पर निकलने वाले जुलूसों में भी वॉलंटियर्स तैनात कराएं। निर्धारित मार्ग से जुड़ने वाले रास्तों पर भी निगरानी रखी जाए। जनप्रतिनिधियों से रखें संपर्क एडीजी लॉ एंड ऑर्डर जयदीप प्रसाद ने कहा कि सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों तथा प्रभावशाली व्यक्तियों से सतत् सम्पर्क रखें। फोर्स का डिप्लायमेंट उचित प्रकार से करें। विसर्जन के समय विशेष सतर्कता बरतें। पहले से निर्धारित किए गए व्यक्ति ही विसर्जन करें। असामाजिक लोगों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022